CTET L1 Hindi L2 Punjabi P1

Topic:- CDP_P1_CTET

1) In the field of child development, the concept of 'brain plasticity' suggests

(1) Entire period of childhood and adolescence is a sensitive period of cognitive development.

(2) Development proceeds at same rate among all individuals.

(3) Only heredity influences development, not environment.

(4) Development in one domain doesn't influence development in another domain.

बाल विकास के क्षेत्र में, 'मस्तिष्क नमनीयता' संप्रत्यय क्या सुझाता है ?

(1) बाल्यावस्था और किशोरावस्था का पूरी अवस्था संज्ञानात्मक विकास के लिए संवेदनशील अवस्था है।

(2) विकास सभी बालकों में एकसमान दर से होता है।

(3) केवल आनुवंशिकता विकास को प्रभावित करती है, वातावरण नहीं।

(4) एक क्षेत्र में विकास दूसरे क्षेत्र के विकास को प्रभावित नहीं करता है।

[Question ID = 1][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q1]

1. 1 [Option ID = 1]
2. 2 [Option ID = 2]
3. 3 [Option ID = 3]
4. 4 [Option ID = 4]

2) Factors related to heredity of an individual and sources from environmental contexts

(1) have no influence on development.

(2) interact in complex ways to shape development.

(3) never interact or impact development.

(4) have very minimal impact on development.

किसी व्यक्ति की आनुवंशिकता से संबंधित कारक और वातावरणीय परिवेश से संबंधित स्रोत

(1) का विकास पर कोई प्रभाव नहीं होता।

(2) एक जटिल तरीके की पारस्परिकता द्वारा विकास को रूप देते हैं।

(3) कभी पारस्परिकता नहीं करते और ना ही विकास को प्रभावित करते हैं।

(4) विकास पर बहुत ही कम प्रभाव डालते हैं।

[Question ID = 2][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q2]

1. 1 [Option ID = 5]
2. 2 [Option ID = 6]
3. 3 [Option ID = 7]
4. 4 [Option ID = 8]

3) A child acquires the earliest socialisation lessons from

(1) School

(2) Media

(3) Parents

(4) Newspapers

एक बालक अपना प्रारंभिक समाजीकरण का पाठ ________ से पाता है।

(1) विद्यालय

(2) मीडिया

(3) माता-पिता

(4) अखबारों

[Question ID = 3][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q3]

1. 1 [Option ID = 9]
2. 2 [Option ID = 10]
3. 3 [Option ID = 11]
4. 4 [Option ID = 12]

4) As per Jean Piaget's theory of cognitive development, in which of the following stage do children begin to use symbols to represent objects ?

(1) Sensorimotor

(2) Preoperational

(3) Concrete operational

(4) Formal operational

जीन पियाज़े के संज्ञानात्मक विकास के सिद्धांत के अनुसार, निम्न में से किस चरण पर बच्चे वस्तुओं को वर्णित करने के लिए संकेतों का इस्तेमाल करने लगते हैं ?

(1) संवेदी-गत्यात्मक

(2) पूर्व-संक्रियात्मक

(3) मूर्त संक्रियात्मक

(4) औपचारिक संक्रियात्मक

[Question ID = 4][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q4]

1. 1 [Option ID = 13]
2. 2 [Option ID = 14]
3. 3 [Option ID = 15]
4. 4 [Option ID = 16]

5) According to Jean Piaget, organised structures of knowledge in the brain are called

(1) Operations

(2) Schemas

(3) Reflexes

(4) Concepts

जीन पियाज़े के अनुसार, मस्तिष्क में ज्ञान की व्यवस्थित संरचनाएँ क्या कहलाती हैं ?

(1) संचालन

(2) स्कीमा

(3) अनैच्छिक (सहज) क्रियाएँ

(4) संप्रत्यय

[Question ID = 5][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q5]

1. 1 [Option ID = 17]
2. 2 [Option ID = 18]
3. 3 [Option ID = 19]
4. 4 [Option ID = 20]

6) 'Zone of Proximal Development' concept in learning is discussed by

(1) Lawrence Kohlberg

(2) Lev Vygotsky

(3) Jean Piaget

(4) Howard Gardner

'समीपस्थ विकास का क्षेत्र' अधिगम में संप्रत्यय की चर्चा निम्न में से किसने की है ?

(1) लॉरेंस कोहलबर्ग

(2) लेव वायगोत्स्की

(3) जीन पियाज़े

(4) हावर्ड गार्डनर

[Question ID = 6][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q6]

1. 1 [Option ID = 21]
2. 2 [Option ID = 22]
3. 3 [Option ID = 23]
4. 4 [Option ID = 24]

7) While describing the process of thinking, Lev Vygotsky categorically emphasized on the importance of ________.

(1) Culture

(2) Maturation

(3) Negative feedback

(4) Reinforcement

चिंतन प्रक्रिया का वर्णन करते हुए, लेव वायगोत्स्की स्पष्ट रूप से ______की महत्त्वता पर जोर देते हैं।

(1) संस्कृति

(2) परिपक्वता

(3) नकारात्मक प्रतिपुष्टि

(4) पुनर्बलन

[Question ID = 7][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q7]

1. 1 [Option ID = 25]
2. 2 [Option ID = 26]
3. 3 [Option ID = 27]
4. 4 [Option ID = 28]

8) Who among the following proposed a sequence of development stages to describe moral reasoning among children and adults ?

(1) B. F. Skinner

(2) Howard Gardner

(3) Lawrence Kohlberg

(4) Lev Vygotsky

निम्न में से किसने बच्चों और वयस्कों में नैतिक तार्किकता का वर्णन करने के लिए विकास चरणों का एक क्रम सुझाया था ?

(1) बी. एफ. स्किनर

(2) हावर्ड गार्डनर

(3) लॉरेंस कोहलबर्ग

(4) लेव वायगोत्स्की

[Question ID = 8][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q8]

1. 1 [Option ID = 29]
2. 2 [Option ID = 30]
3. 3 [Option ID = 31]
4. 4 [Option ID = 32]

9) *Assertion (A) :*
A teacher should provide a range of teaching-learning materials and educational resources in the classroom and should encourage students to explore them.
Reason (R) :
Students are capable of constructing knowledge in a conducive classroom environment.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true and (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) false

अभिकथन (A) :

एक अध्यापक को कक्षा में कई प्रकार की अध्यापन-अधिगम सामग्री और शैक्षिक संसाधन प्रदान करने चाहिए और विद्यार्थियों को उन्हें जाँचने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए ।

तर्क (R) :

एक सहायक माहौल में विद्यार्थी ज्ञान निर्माण करने में सक्षम होते हैं।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 9][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q9]

1. 1 [Option ID = 33]
2. 2 [Option ID = 34]
3. 3 [Option ID = 35]
4. 4 [Option ID = 36]

10) Intelligence Quotient (IQ) tests are often criticised for :

(1) biased norms

(2) doing qualitative assessment

(3) being culturally sensitive

(4) incorporating social context of children

बुद्धि लब्धि (IQ) परीक्षणों की आलोचना करने का आधार क्या है ?

(1) पक्षपाती मानदंड

(2) गुणात्मक आकलन का प्रयोग

(3) सांस्कृतिक संवेदनशीलता को ध्यान में रखना

(4) बच्चे के सामाजिक परिप्रेक्ष्य को शामिल करना

[Question ID = 10][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q10]

1. 1 [Option ID = 37]
2. 2 [Option ID = 38]
3. 3 [Option ID = 39]
4. 4 [Option ID = 40]

11) As per Lev Vygostsky, language _______ .

(1) hinders thinking

(2) facilitates thinking

(3) has no role in facilitating thinking

(4) has very slight impact on thinking

लेव वायगोत्स्की के अनुसार, भाषा

(1) चिंतन में बाधक है।

(2) चिंतन को सुसाधित करती है।

(3) चिंतन को सुसाधित करने में कोई भूमिका नहीं निभाती।

(4) का चिंतन पर बहुत कम प्रभाव होता है।

[Question ID = 11][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q11]

1. 1 [Option ID = 41]
2. 2 [Option ID = 42]
3. 3 [Option ID = 43]
4. 4 [Option ID = 44]

12) Practice of limiting the optional choice of 'Home Science' for girls and 'Physical Education' for boys is grounded in

(1) Gender stereotypes

(2) Inclusive approach

(3) Gender equality

(4) Discovery approach

वैकल्पिक विषयों के चुनाव में लड़कियों के लिए 'गृह विज्ञान' का विषय और लड़कों के लिए 'शारीरिक शिक्षा' के विषय को सीमित कर देने की प्रथा किस पर आधारित है ?

(1) जेंडर रूढ़िवादिता

(2) समावेशी उपागम

(3) जेंडर समानता

(4) खोजी उपागम

[Question ID = 12][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q12]

1. 1 [Option ID = 45]
2. 2 [Option ID = 46]
3. 3 [Option ID = 47]
4. 4 [Option ID = 48]

13) Diversity in a classroom is a _____ for teaching-learning process.

(1) Problem

(2) Resource

(3) Hinderance

(4) Barrier

कक्षा में विविधता अध्यापन-अधिगम प्रक्रिया में _______ है।

(1) समस्या

(2) संसाधन

(3) रुकावट

(4) बाधा

[Question ID = 13][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q13]

1. 1 [Option ID = 49]
2. 2 [Option ID = 50]
3. 3 [Option ID = 51]
4. 4 [Option ID = 52]

14) Which of the following kind of assessment becomes 'Assessment as learning' for students ?

(1) Assessment done by the teacher at the end of session

(2) Assessment done by special educator before the session

(3) Self-assessment by students

(4) Assessment done through standardised tests

निम्न में से किस प्रकार का मूल्यांकन, विद्यार्थियों के लिए 'अधिगम का रूप' बन जाता है ?

(1) सत्र के अंत में अध्यापक द्वारा किया गया मूल्यांकन

(2) सत्र से पहले विशिष्ट शिक्षक द्वारा किया गया मूल्यांकन

(3) विद्यार्थियों द्वारा किया गया स्व-मूल्यांकन

(4) मानकीकृत परीक्षणों द्वारा किया गया मूल्यांकन

[Question ID = 14][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q14]

1. 1 [Option ID = 53]
2. 2 [Option ID = 54]
3. 3 [Option ID = 55]
4. 4 [Option ID = 56]

15) *Assertion (A) :*

A teacher should encourage students to revise questions and clarify doubts while learning about a new concept.

Reason (R) :

Raising questions creates a block in development of critical thinking.

Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

किसी नए संप्रत्यय को सीखने के समय अध्यापिका द्वारा विद्यार्थियों को सवाल पूछने और अपने सन्देहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

तर्क (R) :

सवाल पूछना समालोचनात्मक चिंतन के विकास में बाधा पैदा करता है।

सही विकल्प चुनिए :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 15][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q15]

1. 1 [Option ID = 57]
2. 2 [Option ID = 58]
3. 3 [Option ID = 59]
4. 4 [Option ID = 60]

16) For successful inclusion of students belonging to disadvantaged groups, which of the following is likely to cause hinderance ?

(1) Celebration of cultural and religious diversity

(2) Acknowledgment of role models from their social groups

(3) Highlighting differences in various practices and creating hierarchies among them

(4) Inculcating a shared national identity and promoting a feeling of belongingness

वंचित समूहों से संबंधित विद्यार्थियों के सफल समायोजन हेतु, निम्न में से क्या बाधा बन जाती है ?

(1) सांस्कृतिक और धार्मिक विविधता का समारोह

(2) उनके सामाजिक समूहों से संबंधित प्रेरणास्रोतों की अभिस्वीकृति

(3) विभिन्न प्रथाओं में अंतरों को प्रकाशित करना और उनमें पदानुक्रमता स्थापित करना

(4) एक साझी राष्ट्रीय अस्मिता मनोगत करना और संबद्धता के भाव को बढ़ावा देना

[Question ID = 16][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q16]

1. 1 [Option ID = 61]
2. 2 [Option ID = 62]
3. 3 [Option ID = 63]
4. 4 [Option ID = 64]

17) Students with learning difficulties

(1) are all alike in academic characteristics.

(2) should be taught in a special school.

(3) are always hyperactive.

(4) are likely to differ in their academic strengths and challenges.

अधिगम कठिनाई महसूस करने वाले

(1) सभी विद्यार्थी अपनी शैक्षिक विशेषताओं में एक जैसे होते हैं।

(2) विद्यार्थियों को विशिष्ट विद्यालय में पढ़ाना चाहिए।

(3) विद्यार्थी हमेशा अतिक्रियाशील होते हैं।

(4) विद्यार्थी अपनी शैक्षिक सामर्थ्य और चुनौतियों में अलग-अलग हो सकते हैं।

[Question ID = 17][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q17]

1. 1 [Option ID = 65]
2. 2 [Option ID = 66]
3. 3 [Option ID = 67]
4. 4 [Option ID = 68]

18) For successful inclusion of students with low vision, it is important to

(1) have appropriate assistive devices in the class

(2) practice segregation of these students

(3) fix their seat far from the board

(4) deliver lessons only through visual presentation

कमत्तर दृष्टि से जूझते विद्यार्थियों के सफल समावेशन हेतु, यह महत्त्वपूर्ण है कि

(1) कक्षा में उपयुक्त सहायक उपकरण मौजूद हो

(2) इन विद्यार्थियों का पृथक्कीकरण किया जाए

(3) बोर्ड से काफी दूर उनकी सीट स्थिर कर दी जाए

(4) केवल दृश्य प्रस्तुतीकरण द्वारा ही पाठ पढ़ाए जाए

[Question ID = 18][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q18]

1. 1 [Option ID = 69]
2. 2 [Option ID = 70]
3. 3 [Option ID = 71]
4. 4 [Option ID = 72]

19) Students having Attention Deficit Hyperactivity Disorder (ADHD) are likely to

(1) have persistent pattern of impulsivity.

(2) stay in assigned seat for long period.

(3) have high patience level to listen to everyone.

(4) be very organised with their actions.

अवधान न्यूनता अतिक्रियाशीलता विकार (ADHD) से जूझते विद्यार्थियों के बारे में निम्न में से क्या सही है ?

(1) वे आवेगशीलता के निरंतर स्वरूप दर्शाते हैं।

(2) वे काफी देर तक निर्धारित सीट पर बैठ सकते हैं।

(3) उनमें सभी को सुनने की अति सहनशीलता होती है।

(4) वे अपनी क्रियाओं को व्यवस्थित रूप से करते हैं।

[Question ID = 19][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q19]
1. 1 [Option ID = 73]
2. 2 [Option ID = 74]
3. 3 [Option ID = 75]
4. 4 [Option ID = 76]

20) Which of the following strategy is likely to be effective in catering to the needs of students with giftedness ?

(1) Giving additional time to comprehend information

(2) Assiging simple and easy questions

(3) Giving choice of self-initiated higher order thinking tasks

(4) Keeping low expectations of success from them

निम्न में से कौन-सी युक्ति प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की ज़रूरतों को पूरा करने की एक प्रभावी रणनीति है ?

(1) जानकारी को समझने हेतु अतिरिक्त समय देना

(2) बहुत आसान और सरल सवाल पूछना

(3) स्व-चयनित उच्च क्रम चिंतन कार्य सौंपना

(4) उनसे सफलता की निम्न उम्मीद रखना

[Question ID = 20][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q20]
1. 1 [Option ID = 77]
2. 2 [Option ID = 78]
3. 3 [Option ID = 79]
4. 4 [Option ID = 80]

21) To gain non-innate learnings such as playing a flute, playing chess

(1) some form of explicit instructions and intrinsic motivation are required.

(2) any kind of explicit instructions or motivation are not required.

(3) explicit instruction is required but any kind of motivation is not needed.

(4) explicit instruction from any source is not required at all.

ग़ैर-जन्मजात अधिगम जैसे कि बाँसुरी बजाना, शतरंज खेलना सीखने के लिए

(1) किसी तरह के बाह्य निर्देशन और आंतरिक अभिप्रेरणा की जरूरत है।

(2) किसी भी तरह के बाह्य निर्देशन या अभिप्रेरणा की जरूरत नहीं होती है।

(3) बाह्य निर्देशन की जरूरत होती है लेकिन किसी तरह की अभिप्रेरणा की जरूरत नहीं होती है।

(4) किसी भी स्रोत से बाह्य निर्देशन की कोई जरूरत नहीं होती है।

[Question ID = 21][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q21]
1. 1 [Option ID = 81]
2. 2 [Option ID = 82]
3. 3 [Option ID = 83]
4. 4 [Option ID = 84]

22) Students learn best

(1) through text-books only

(2) by repeating words of the teacher only

(3) by interacting with their surroundings

(4) through passive imitation

विद्यार्थी सर्वाधिक बेहतर तरीके से किस प्रकार सीखते हैं ?

(1) केवल पाठ्य-पुस्तकों द्वारा

(2) केवल अध्यापक द्वारा कहे शब्दों को दोहरा कर

(3) अपने आस-पड़ोस से पारस्पारिकता द्वारा

(4) निष्क्रिय नकल द्वारा

[Question ID = 22][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q22]

1. 1 [Option ID = 85]
2. 2 [Option ID = 86]
3. 3 [Option ID = 87]
4. 4 [Option ID = 88]

23) Pedagogies which are dominantly ______ yield to _______ of knowledge. by students.

(1) child-centric, construction

(2) teacher-centric, construction

(3) child-centric, mere reproduction

(4) teacher-centric, destruction

प्रबल रूप से _________ शिक्षाशास्त्र, विद्यार्थियों द्वारा ज्ञान के ________ में सहायक है।

(1) बाल-केन्द्रित, सर्जन

(2) अध्यापक-केन्द्रित, सर्जन

(3) बाल-केन्द्रित, केवल पुनरुत्पादन

(4) अध्यापक-केन्द्रित, भंजन

[Question ID = 23][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q23]

1. 1 [Option ID = 89]
2. 2 [Option ID = 90]
3. 3 [Option ID = 91]
4. 4 [Option ID = 92]

24) Which of the following type becomes a barrier to students' engagement in learning process ?

(1) Assignment related to students lives.

(2) Assignment based on students interest.

(3) Assignment that are too easy for students.

(4) Assignment giving value to students opinions.

निम्न में से कौन-सा प्रकार विद्यार्थियों की अधिगम प्रक्रिया में संलग्नता में बाधक बन जाता है ?

(1) विद्यार्थियों के जीवन से आधारित कार्य देना।

(2) विद्यार्थियों की रुचि आधारित कार्य देना।

(3) ऐसे कार्य देना जो विद्यार्थियों के लिए बहुत आसान हो।

(4) ऐसे कार्य देना जो विद्यार्थियों के विचारों को महत्त्व दे।

[Question ID = 24][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q24]

1. 1 [Option ID = 93]
2. 2 [Option ID = 94]
3. 3 [Option ID = 95]
4. 4 [Option ID = 96]

25) Learning should be __________ .

(1) meaningful and contextualised

(2) decontextualised and meaningless

(3) meaningful and decontextualised

(4) contextualised and meaningless

अधिगम किस प्रकार का होना चाहिए ?

(1) अर्थपूर्ण और संदर्भित

(2) असंदर्भित और अर्थहीन

(3) अर्थपूर्ण और असंदर्भित

(4) संदर्भित और अर्थहीन

[Question ID = 25][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q25]

1. 1 [Option ID = 97]
2. 2 [Option ID = 98]
3. 3 [Option ID = 99]
4. 4 [Option ID = 100]

26) While the process of problem-solving involves a lot of back and forth, yet typically the first step in the process of problem-solving process is __________ .

(1) finding appropriate solution

(2) representing the problem

(3) identifying the problem

(4) evaluating the solution implemented

हालाँकि समस्या-समाधान प्रक्रिया में अकसर हम चरणों पर फेर-बदल करते रहते हैं, फिर भी औसतन रूप से समस्या-समाधान प्रक्रिया का पहला चरण ________ होता है।

(1) उपयुक्त हल ढूँढना

(2) समस्या का प्रस्तुतीकरण

(3) समस्या की पहचान

(4) अपनाए गए समाधान का मूल्यांकन

[Question ID = 26][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q26]

1. 1 [Option ID = 101]
2. 2 [Option ID = 102]
3. 3 [Option ID = 103]
4. 4 [Option ID = 104]

27) Even before entering formal education, children develop fairly rich understanding of their surroundings including the objects and events they encounter in their everyday life. A teacher should

(1) Ignore their understandings completely.

(2) Attempt to replace it with standardised school curriculum.

(3) Give importance to this understanding for advancing their knowledge.

(4) Consider this understanding faulty and irrelevant for learning.

औपचारिक शिक्षा में प्रवेश करने से पूर्व ही बच्चे अपने आस-पड़ोस के बारे में, जैसे कि उन वस्तुओं और घटनाओं के बारे में जिनसे वे समागम करते हैं, एक संपन्न समझ विकसित कर लेते हैं। एक अध्यापिका को उनकी इस तरह की समझ को

(1) पूरी तरह नकार देना चाहिए।

(2) मानकीकृत पाठ्यक्रम से बदल देने का प्रयास करना चाहिए।

(3) उनके ज्ञान को अग्रसर करने के लिए महत्त्वपूर्ण समझना चाहिए।

(4) अधिगम के लिए दोषपूर्ण और महत्त्वहीन मानना चाहिए।

[Question ID = 27][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q27]

1. 1 [Option ID = 105]
2. 2 [Option ID = 106]
3. 3 [Option ID = 107]
4. 4 [Option ID = 108]

28) *Assertion (A) :*
Schools should ignore the emotional side of learning.
Reason (R) :
Emotions and cognition are not related.
Choose the correct option :

(1) Both (A) and (R) are true and (R) is the correct explanation of (A)

(2) Both (A) and (R) are true but (R) is not the correct explanation of (A)

(3) (A) is true but (R) is false

(4) Both (A) and (R) are false

अभिकथन (A) :

विद्यालयों को अधिगम के संवेगात्मक पहलू को अनदेखा कर देना चाहिए।

तर्क (R) :

संवेग और संज्ञान एक-दूसरे से संबंधित नहीं है।

सही विकल्प चुनें :

(1) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

(2) (A) और (R) दोनों सही हैं लेकिन (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है

(3) (A) सही है लेकिन (R) गलत है

(4) (A) और (R) दोनों गलत हैं

[Question ID = 28][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q28]

1. 1 [Option ID = 109]
2. 2 [Option ID = 110]
3. 3 [Option ID = 111]
4. 4 [Option ID = 112]

29) Education should aim at motivating students for __________ .

(1) Competition

(2) Rote memorisation

(3) Independent thinking

(4) Passive knowledge reproduction

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों को ________ के लिए प्रेरित करना होता है।

(1) प्रतिस्पर्धा

(2) कंठस्थ स्मरण

(3) स्वतंत्र चिंतन

(4) निष्क्रिय ज्ञान पुनरुत्पादन

[Question ID = 29][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q29]

1. 1 [Option ID = 113]
2. 2 [Option ID = 114]
3. 3 [Option ID = 115]
4. 4 [Option ID = 116]

30) Learning can be facilitated by

(1) promoting entity view of ability

(2) not sharing the objectives of task with learners

(3) increasing competition among students

(4) providing opportunties for reflection

अधिगम को सुसाधित किस प्रकार किया जा सकता है ?

(1) योग्यता के सत्त्व दृष्टिकोण को बढ़ावा देकर

(2) कार्य के उद्देश्य को विद्यार्थियों से साझा ना करके

(3) विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा बढ़ाकर

(4) चिंतन/प्रतिवर्तन के मौके प्रदान करके

[Question ID = 30][Question Description = CTET_P1_PART_1_CDP_SET_103_Q30]

1. 1 [Option ID = 117]
2. 2 [Option ID = 118]
3. 3 [Option ID = 119]
4. 4 [Option ID = 120]

Topic:- MATH_Q31-45_P1_CTET

1) {Sum of multiples of 5 from 15 to 30 + HCF of 24 and 40 – smallest prime number} is equal to

(1) 92

(2) 93

(3) 96

(4) 97

{15 से 30 तक 5 के गुणजों का योगफल + 24 और 40 का HCF – सबसे छोटी अभाज्य संख्या} बराबर है

(1) 92

(2) 93

(3) 96

(4) 97

[Question ID = 31][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q31]

1. 1 [Option ID = 121]
2. 2 [Option ID = 122]
3. 3 [Option ID = 123]
4. 4 [Option ID = 124]

2) What must be added to (6 + 0.6 + 0.06 + 0.006) to obtain the number 7 ?

(1) 0.034

(2) 0.334

(3) 0.340

(4) 0.343

(6 + 0.6 + 0.06 + 0.006) में क्या जोड़ा जाए कि संख्या 7 प्राप्त हो जाए ?

(1) 0.034

(2) 0.334

(3) 0.340

(4) 0.343

[Question ID = 32][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q32]

1. 1 [Option ID = 125]
2. 2 [Option ID = 126]
3. 3 [Option ID = 127]
4. 4 [Option ID = 128]

3) The sum of five consecutive even numbers is 60. What will be the sum, if the next two even numbers are also added to it ?

(1) 90

(2) 94

(3) 96

(4) 98

पाँच क्रमागत सम संख्याओं का योगफल 60 है। यदि अगली दो सम संख्याएँ भी उसमें जोड़ दी जाएँ, तो योगफल क्या होगा ?

(1) 90

(2) 94

(3) 96

(4) 98

[Question ID = 33][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q33]

1. 1 [Option ID = 129]
2. 2 [Option ID = 130]
3. 3 [Option ID = 131]
4. 4 [Option ID = 132]

4) Scales, pencils and erasers are available in packets of 6, 10 and 12 respectively. If a shopkeeper wants to buy equal number of these items, then what is the minimum number of packets of scales, pencils and erasers respectively he needs to buy ?

(1) 9, 7, 5

(2) 8, 8, 8

(3) 10, 6, 5

(4) 6, 5, 10

स्केल, पैन्सिल तथा रबड़ क्रमश: 6, 10 तथा 12 के पैकेटों में उपलब्ध हैं । यदि कोई दुकानदार तीनों वस्तुएँ समान संख्या में खरीदना चाहता है, तो उसे स्केल, पैन्सिल तथा रबड़ के क्रमश: कम-से-कम कितने पैकेट खरीदने होंगे ?

(1) 9, 7, 5

(2) 8, 8, 8

(3) 10, 6, 5

(4) 6, 5, 10

[Question ID = 34][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q34]

1. 1 [Option ID = 133]
2. 2 [Option ID = 134]
3. 3 [Option ID = 135]
4. 4 [Option ID = 136]

5) Shivani's mothers gave her ₹ 300 on standing first in an examination. She gave one-fourth of the money to her brother, one-third of the remaining to her younger sister and kept the remaining money for herself. How much money (in ₹) did she keep for herself ?

(1) 125

(2) 150

(3) 165

(4) 215

शिवानी को एक परीक्षा में प्रथम आने पर उसकी माँ ने उसे ₹ 300 दिए। उसने उस धनराशि में से एक-चौथाई अपने भाई को दे दी, बची हुई राशि का एक-तिहाई अपनी छोटी बहन को दे दिया तथा बची हुई धनराशि अपने लिए रख ली । शिवानी ने कितनी धनराशि (₹ में) अपने लिए रखी ?

(1) 125

(2) 150

(3) 165

(4) 215

[Question ID = 35][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q35]

1. 1 [Option ID = 137]
2. 2 [Option ID = 138]
3. 3 [Option ID = 139]
4. 4 [Option ID = 140]

6) Raghav wants to purchase the following items. Prices and quantities required are given below :

Item	Price	Quantity
Milk	₹ 50 per litre	1 litre
Curd	₹ 80 per kg	250 g
Mangoes	₹ 60 per kg	$1\frac{1}{2}$ kg
Bananas	₹ 4 each	$\frac{1}{2}$ dozen

If he has ₹ 190 with him, then which of the following statements is correct ?

(1) He has exact amount for purchasing the required items.

(2) He is short by ₹ 6.

(3) He has enough money to purchase 75 g more curd.

(4) He will have a balance of ₹ 4 with him.

राघव निम्नलिखित वस्तुएँ खरीदना चाहता है। मूल्य तथा वांछित मात्राएँ नीचे दी गई हैं :

वस्तु	मूल्य	मात्रा
दूध	₹ 50 प्रति लीटर	1 लीटर
दही	₹ 80 प्रति kg	250 g
आम	₹ 60 प्रति kg	$1\frac{1}{2}$ kg
केले	₹ 4 प्रत्येक	$\frac{1}{2}$ दर्जन

यदि उसके पास ₹ 190 हैं, तो निम्न कथनों में से कौन-सा सही है ?

(1) उसके पास अपनी जरूरत का सामान खरीदने के लिए यथार्थ रूप से पूरी-पूरी धनराशि है।

(2) उसके पास ₹ 6 कम पड़ रहे हैं।

(3) उसके पास पर्याप्त धनराशि है जिससे वह 75 g दही और खरीद सकता है।

(4) उसके पास ₹ 4 शेष बचेंगे।

[Question ID = 36][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q36]

1. 1 [Option ID = 141]
2. 2 [Option ID = 142]
3. 3 [Option ID = 143]
4. 4 [Option ID = 144]

7) Which of the following statements is true ?

(1) 3 right angles = 300°

(2) $3\frac{1}{2}$ right angles = 315°

(3) 2 right angles = 190°

(4) $2\frac{1}{2}$ right angles = 215°

निम्न कथनों में से कौन-सा सत्य है ?

(1) 3 समकोण = 300°

(2) $3\frac{1}{2}$ समकोण = 315°

(3) 2 समकोण = 190°

(4) $2\frac{1}{2}$ समकोण = 215°

[Question ID = 37][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q37]

1. 1 [Option ID = 145]
2. 2 [Option ID = 146]
3. 3 [Option ID = 147]
4. 4 [Option ID = 148]

8) Which of the following ***cannot*** be the lengths of the sides of a right angled triangle ?

(1) 15 cm, 8 cm, 17 cm

(2) 6 cm, 8 cm, 10 cm

(3) 4 cm, 5 cm, 6 cm

(4) 5 cm, 12 cm, 13 cm

निम्न में से कौन-सी एक समकोण त्रिभुज की भुजाओं की लंबाइयाँ ***नहीं*** हो सकती ?

(1) 15 cm, 8 cm, 17 cm

(2) 6 cm, 8 cm, 10 cm

(3) 4 cm, 5 cm, 6 cm

(4) 5 cm, 12 cm, 13 cm

[Question ID = 38][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q38]

1. 1 [Option ID = 149]
2. 2 [Option ID = 150]
3. 3 [Option ID = 151]
4. 4 [Option ID = 152]

9) How many capital letters of the English alphabets have rotational symmetry ?

(1) 4

(2) 6

(3) 7

(4) 8

अंग्रेज़ी वर्णमाला के कितने बड़े अक्षरों में घूर्णन सममिति होती है ?

(1) 4

(2) 6

(3) 7

(4) 8

[Question ID = 39][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q39]

1. 1 [Option ID = 153]
2. 2 [Option ID = 154]
3. 3 [Option ID = 155]
4. 4 [Option ID = 156]

10) From a 12 cm long and 8 cm wide rectangular sheet, squares of sides of 3 cm are cut off from all the corners. What is the area (in cm^2) of the remaining sheet ?

(1) 50

(2) 60

(3) 72

(4) 84

एक 12 cm लम्बी और 8 cm चौड़ी आयताकार शीट के सभी कोनों से 3 cm भुजा के वर्ग काट लिए गए । इस प्रकार शेष बची शीट का क्षेत्रफल (cm^2 में) क्या होगा ?

(1) 50

(2) 60

(3) 72

(4) 84

[Question ID = 40][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q40]

1. 1 [Option ID = 157]
2. 2 [Option ID = 158]
3. 3 [Option ID = 159]
4. 4 [Option ID = 160]

11) Train P leaves station A at 6:40 o'clock and reaches station B at 21:30 o'clock on the same day. Train Q leaves station A at 19:10 o'clock and reaches station B at 10:50 o'clock the next day. Which train takes more time and how much more time (in minutes) ?

(1) P, 30

(2) P, 40

(3) Q, 50

(4) Q, 70

रेलगाड़ी P स्टेशन A से 6:40 बजे चलती है और स्टेशन B पर उसी दिन 21:30 बजे पहुँचती है । रेलगाड़ी Q स्टेशन A से 19:10 बजे चलती है और अगले दिन 10:50 बजे स्टेशन B पर पहुँचती है । किस रेलगाड़ी ने अधिक समय और कितना अधिक समय (मिनटों में) लिया ?

(1) P, 30

(2) P, 40

(3) Q, 50

(4) Q, 70

[Question ID = 41][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q41]

1. 1 [Option ID = 161]

2. 2 [Option ID = 162]
3. 3 [Option ID = 163]
4. 4 [Option ID = 164]

12) Ankit runs on a circular track of length 400 m. He makes 3 rounds daily on it. How much distance (in km) does he cover on the track in a week ?

(1) 7.2

(2) 8.4

(3) 8.8

(4) 9.4

अंकित 400 m लम्बे एक वृत्ताकार पथ पर दौड़ लगाता है। वह उसके प्रतिदिन 3 चक्कर लगाता है। वह एक सप्ताह में उस पथ पर कितनी दूरी (km में) तय करता है ?

(1) 7.2

(2) 8.4

(3) 8.8

(4) 9.4

[Question ID = 42][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q42]

1. 1 [Option ID = 165]
2. 2 [Option ID = 166]
3. 3 [Option ID = 167]
4. 4 [Option ID = 168]

13) What comes next in the folllowing pattern ?
1 A 1, 4 B 8, 9 C 27, 16 D 64, ______

(1) 25 D 125

(2) 25 E 100

(3) 25 E 125

(4) 36 E 100

निम्न पैटर्न में आगे क्या आएगा ?

1 A 1, 4 B 8, 9 C 27, 16 D 64, ______

(1) 25 D 125

(2) 25 E 100

(3) 25 E 125

(4) 36 E 100

[Question ID = 43][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q43]

1. 1 [Option ID = 169]
2. 2 [Option ID = 170]
3. 3 [Option ID = 171]
4. 4 [Option ID = 172]

14) 540 students of a school voted for the best group song presented in a competition. Then, on the basis of the obtained votes, these group songs A, B, C and D were represented on a pie chart by angles of 120°, 80°, 70°, 90° respectively at the centre. How many students voted for group song B ? (Assume that one student has voted only for one group song.)

(1) 100

(2) 120

(3) 140

(4) 150

एक विद्यालय में समूह गान प्रतियोगिता में प्रस्तुत सबसे अच्छा गाना चुनने के लिए 540 विद्यार्थियों ने मतदान किया। प्राप्त मतों के आधार पर इन समूह गानों A, B, C और D को एक पाई चार्ट के रूप में निरूपित किया गया, जिनके लिए वृत्त के केन्द्र पर क्रमश: 120°, 80°, 70°और 90° के कोण बनते हैं। कितने विद्यार्थियों ने समूह गान B के लिए मत दिया ? (कल्पना कीजिए कि एक विद्यार्थी केवल एक समूह गान के लिए मत देता है।)

(1) 100

(2) 120

(3) 140

(4) 150

[Question ID = 44][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q44]

1. 1 [Option ID = 173]
2. 2 [Option ID = 174]
3. 3 [Option ID = 175]
4. 4 [Option ID = 176]

15) The following table shows the marks in English and Mathemathics obtained by four friends :

	English	Mathematics
Yogesh	72	64
Joseph	75	68
Vinita	69	79
Devika	73	76

Which of the options given below is correct ?

(1) Joseph obtained maximum marks in English but minimum marks in Mathematics.

(2) Devika got maximum marks in English and Mathematics combined.

(3) Vinita obtained maximum marks in English as well as in Mathematics.

(4) Yogesh obtained least marks in English as well as in Mathematics.

निम्न तालिका में चार मित्रों के अंग्रेज़ी और गणित में प्राप्तांक दर्शाए गए हैं :

	अंग्रेज़ी	गणित
योगेश	72	64
जोसफ	75	68
विनीता	69	79
देविका	73	76

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प क्या है ?

(1) जोसफ को अंग्रेज़ी में अधिकतम लेकिन गणित में न्यूनतम अंक मिले।

(2) देविका को अंग्रेज़ी और गणित दोनों में मिलाकर अधिकतम अंक मिले।

(3) विनीता को अंग्रेज़ी और गणित दोनों में अधिकतम अंक मिले।

(4) योगेश को अंग्रेज़ी और गणित दोनों में ही न्यूनतम अंक मिले।

[Question ID = 45][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q45]

1. 1 [Option ID = 177]
2. 2 [Option ID = 178]
3. 3 [Option ID = 179]
4. 4 [Option ID = 180]

Topic:- MATH_Q46-60_P1_CTET

1) Theorems in mathematics can be proved by using

(1) Experimentation

(2) Deduction

(3) Verification

(4) Observation

गणित में प्रमेयों को सिद्ध किया जा सकता है

(1) प्रयोग द्वारा

(2) निगमन द्वारा

(3) जाँच द्वारा

(4) प्रेक्षण द्वारा

[Question ID = 46][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q46]

1. 1 [Option ID = 181]
2. 2 [Option ID = 182]
3. 3 [Option ID = 183]
4. 4 [Option ID = 184]

2) Which of the following is the best example of a crude method of assessment that encourages mechanical computation and rote memorization ?

(1) Asking students to solve problems given in a worksheet by consulting peers and taking teacher's assistance.

(2) Asking students to recite multiplication tables and formulae as these are basic skills required for computation.

(3) Posing a real problem for students to solve that involves mathematical computations and concepts.

(4) Taking regular formative assessment after every key topic is being discussed or taught in class.

यांत्रिक गणना एवं रटने पर आधारित आकलन की अपरिष्कृत विधि का सबसे अच्छा उदाहरण निम्न में से कौन-सा है ?

(1) सहपाठी और शिक्षक/शिक्षिका की सहायता एवं परामर्श लेते हुए वर्कशीट में दी गई समस्याओं को हल करने के लिए विद्यार्थियों को कहना ।

(2) गुणन सारणी/पहाड़े एवं सूत्रों को याद करने के लिए विद्यार्थियों को कहना क्योंकि ये अभिकलन हेतु बुनियादी कौशल के रूप में आवश्यक हैं ।

(3) विद्यार्थियों को वास्तविक समस्या को हल करने के लिए देना जिसमें गणितीय अभिकलन एवं अवधारणाएँ शामिल हों ।

(4) कक्षा में प्रत्येक मुख्य विषय-वस्तु को पढ़ाने या चर्चा करने के बाद नियमित रूप से रचनात्मक आकलन करना ।

[Question ID = 47][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q47]

1. 1 [Option ID = 185]
2. 2 [Option ID = 186]
3. 3 [Option ID = 187]
4. 4 [Option ID = 188]

3) Which of the following is ***not*** true with respect to Van Hiele's Theory of Geometric Thinking ?

(1) The levels are age dependent.

(2) The levels are developmental.

(3) The levels are sequential.

(4) The levels move from concrete to abstract thinking in geometry.

निम्नलिखित में से कौन-सा वैन-हैले के ज्यामितीय चिंतन सिद्धांत के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(1) स्तर आयु पर निर्भर हैं ।

(2) स्तर विकासात्मक हैं ।

(3) स्तर अनुक्रमिक हैं ।

(4) स्तर ज्यामिति में मूर्त से अमूर्त चिंतन की ओर चलते हैं ।

[Question ID = 48][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q48]

1. 1 [Option ID = 189]
2. 2 [Option ID = 190]

3. 3 [Option ID = 191]
4. 4 [Option ID = 192]

4) Which among the following statements related with use(s) of games in mathematics is/are true ?

(a) New concepts can be developed only through formal lecturing and not through games.

(b) Games can be effectively used for practising newly developed mathematical skills.

(c) Games cannot be used for assesment.

Choose the correct option :

(1) Only (a)

(2) Only (b)

(3) (b) and (c)

(4) (a) and (c)

निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन गणित में खेलों के उपयोग के लिए सत्य है/हैं ?

(a) नवीन अवधारणाओं का विकास केवल औपचारिक भाषण द्वारा किया जा सकता है, खेलों द्वारा नहीं।

(b) नए विकसित गणितीय कौशलों के अभ्यास के लिए खेलों का प्रभावी रूप से उपयोग किया जा सकता है।

(c) खेल आकलन के लिए उपयोग नहीं किए जा सकते।

सही विकल्प का चयन कीजिए :

(1) केवल (a)

(2) केवल (b)

(3) (b) और (c)

(4) (a) और (c)

[Question ID = 49][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q49]

1. 1 [Option ID = 193]
2. 2 [Option ID = 194]
3. 3 [Option ID = 195]
4. 4 [Option ID = 196]

5) A student in your class is able to infer that if set A has more objects than set B and set B has more objects than set C, then set A will have more objects than set C.
Which of the following measurement principles the student seems to have acquired ?

(1) Proportional thinking

(2) Commutativity

(3) Conservation

(4) Transitivity

आपकी कक्षा में एक विद्यार्थी यह आशय निकालने में सक्षम है कि अगर समुच्चय A में समुच्चय B की तुलना में अधिक वस्तुएँ हैं और समुच्चय B में समुच्चय C की तुलना में अधिक वस्तुएँ हैं, तो समुच्चय A में समुच्चय C की तुलना में अधिक वस्तुएँ होंगी। निम्नलिखित में से विद्यार्थी द्वारा मापन के कौन-से सिद्धांत को उपार्जित करने की संभावना दिख रही है ?

(1) आनुपातिक चिंतन

(2) क्रमविनिमेयता

(3) संरक्षण

(4) संक्रामिता

[Question ID = 50][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q50]

1. 1 [Option ID = 197]
2. 2 [Option ID = 198]
3. 3 [Option ID = 199]
4. 4 [Option ID = 200]

6) Study of patterns has been promoted at primary level because :

(1) Patterns are artistic in nature.

(2) It is easy for a teacher to teach patterns at primary level.

(3) Patterns lay the base for many mathematical concepts.

(4) In primary grades, the syllabus is very less so children can be engaged in drawing patterns.

प्राथमिक स्तर पर प्रतिमानों के अध्ययन को संवर्धित किया गया है क्योंकि :

(1) प्रतिमान प्रकृति में कलात्मक होते हैं।

(2) प्राथमिक कक्षा में एक अध्यापक के लिए प्रतिमानों को पढ़ाना आसान होता है।

(3) प्रतिमान कई गणितीय अवधारणाओं के आधार का निर्माण करते हैं।

(4) प्राथमिक कक्षाओं में, पाठ्यक्रम बहुत कम है इसलिए बच्चों को प्रतिमानों को बनाने में व्यस्त रखा जा सकता है।

[Question ID = 51][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q51]

1. 1 [Option ID = 201]
2. 2 [Option ID = 202]
3. 3 [Option ID = 203]
4. 4 [Option ID = 204]

7) While introducing the concept of numbers to class-I students, Mr. Abdullah, uses various objects/materials such as pencils, balls, toffees, etc.
Which of the following represents the most appropriate reason to use this strategy ?

(1) To bring students' attention towards familiar objects.

(2) To have some leisure time in a mathematics class.

(3) Numbers, being an abstract concept, require concrete examples for conceptualisation.

(4) Students need to be motivated to learn number concepts.

कक्षा-I के विद्यार्थियों को संख्याओं की अवधारणा प्रस्तुत करते हुए, श्री अब्दुल्लाह ने विभिन्न वस्तुओं/सामग्रियों जैसे पेंसिलें, गेंदें, टॉफियाँ, इत्यादि का उपयोग किया।
निम्नलिखित में से कौन-सा इस युक्ति का उपयोग करने का सर्वाधिक उपयुक्त कारण है ?

(1) विद्यार्थियों का ध्यान सुपरिचित वस्तुओं की ओर आकर्षित करना।

(2) गणित की कक्षा में कुछ खाली समय बिताना।

(3) संख्याओं, जो कि एक निराकार संप्रत्यय है, के संप्रत्ययीकरण हेतु साकार/मूर्त उदाहरण वांछनीय है।

(4) विद्यार्थियों को संख्या संप्रत्यय अधिगम के लिए प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

[Question ID = 52][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q52]
1. 1 [Option ID = 205]
2. 2 [Option ID = 206]
3. 3 [Option ID = 207]
4. 4 [Option ID = 208]

8) In Synthetic method, we proceed from

(1) Known to unknown

(2) Unknown to known

(3) Complex to simple

(4) Example to rule

संश्लेषित विधि में, हम अग्रसर होते हैं

(1) ज्ञात से अज्ञात की ओर

(2) अज्ञात से ज्ञात की ओर

(3) कठिन से सरल की ओर

(4) उदाहरण से नियम की ओर

[Question ID = 53][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q53]
1. 1 [Option ID = 209]
2. 2 [Option ID = 210]
3. 3 [Option ID = 211]
4. 4 [Option ID = 212]

9) According to National Curriculum Framework 2005, the textbooks of mathematics at primary level must include :

(1) Technical mathematical vocabulary.

(2) Mathematical stories, games and activities.

(3) Formal algorithms to solve questions.

(4) Precise definitions of mathematical concepts.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, गणित की प्राथमिक स्तर की पाठ्यपुस्तकों में _________ जरूर होनी चाहिए।

(1) तकनीकी गणितीय शब्दावली

(2) गणितीय कहानियाँ, खेल और क्रियाकलाप

(3) प्रश्न हल करने की औपचारिक कलन-विधि

(4) गणितीय संप्रत्ययों की सटीक परिभाषाएँ

[Question ID = 54][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q54]

1. 1 [Option ID = 213]
2. 2 [Option ID = 214]
3. 3 [Option ID = 215]
4. 4 [Option ID = 216]

10) Evaluation is useful for various stakeholders in education. For a teacher, as one of the stakeholders, evaluation is helpful to

(1) Frame syllabus and develop curriculum

(2) Give important information about how to run a school

(3) Identify both general and individualised learning challenges faced by students

(4) Take valuable and serious administrative decisions

शिक्षा में विभिन्न हितधारकों के लिए मूल्यांकन लाभदायक है। एक हितधारी के रूप में एक शिक्षक के लिए, मूल्यांकन मददगार है

(1) पाठ्यक्रम की रूपरेखा बनाने एवं पाठ्यचर्या के विकास में

(2) एक विद्यालय का संचालन किस प्रकार किया जाता है, यह महत्त्वपूर्ण सूचना देने में

(3) सामान्य एवम् वैयक्तिक अधिगम के दौरान विद्यार्थियों के सामने आयी कठिनाइयों की पहचान करने में

(4) मूल्यवान एवं गंभीर प्रशासनिक निर्णयों को लेने में

[Question ID = 55][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q55]

1. 1 [Option ID = 217]
2. 2 [Option ID = 218]
3. 3 [Option ID = 219]
4. 4 [Option ID = 220]

11) A child in a mathematics classroom, writes

$4{\cdot}78 > 4{\cdot}9$

$7{\cdot}26 > 7{\cdot}3$

Which of the following is the most appropriate reason for this error ? The child

(1) is careless and inattentive in the class.

(2) needs to be given more similar problems to practise.

(3) has over-generalized the rule that a three-digit number is greater than a two-digit number.

(4) has mathematical learning disabilities.

गणित की कक्षा में एक बच्चा लिखता है

4·78 > 4·9

7·26 > 7·3

निम्नलिखित में से कौन-सा इस त्रुटि के लिए सर्वाधिक उपयुक्त कारण है ?

(1) बच्चा लापरवाह है और कक्षा में सतर्क नहीं है।

(2) बच्चे को अभ्यास के लिए अधिक समान प्रश्न देने की आवश्यकता है।

(3) बच्चे ने इस नियम, कि एक तीन-अंकीय संख्या किसी दो अंकीय संख्या से बड़ी होती है, का अति व्यापकीकरण कर लिया है।

(4) बच्चे में गणितीय अधिगम अयोग्यताएँ हैं।

[Question ID = 56][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q56]

1. 1 [Option ID = 221]
2. 2 [Option ID = 222]
3. 3 [Option ID = 223]
4. 4 [Option ID = 224]

12) According to National Curriculum Framework 2005, primary level mathematics teaching and learning should focus on

(1) learning mathematical terminologies

(2) memorizing of algorithms

(3) mathematical explorations through activities

(4) rigorous practice of solving questions

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, प्राथमिक स्तर के गणित का शिक्षण एवं अधिगम केंद्रित होना चाहिए

(1) गणितीय शब्दावलियों के अधिगम पर

(2) कलनविधियों को कंठस्थ करने पर

(3) गतिविधियों के माध्यम से गणितीय पर्यवेक्षणों पर

(4) प्रश्नों को हल करने के गहन अभ्यास पर

[Question ID = 57][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q57]

1. 1 [Option ID = 225]
2. 2 [Option ID = 226]
3. 3 [Option ID = 227]
4. 4 [Option ID = 228]

13) Which of the following is ***not*** true about nature of mathematics ?

(1) It is based on logical reasoning

(2) It has its own unique language and symbols

(3) It is abstract in nature

(4) It has a very limited application in other disciplines

निम्नलिखित में से कौन-सा गणित की प्रकृति के बारे में सही ***नहीं*** है ?

(1) यह तार्किक विवेचन पर आधारित है

(2) इसकी अपनी विशिष्ट भाषा और चिह्न है

(3) यह प्रकृति में अमूर्त है

(4) अन्य विषयों में इसका अति सीमित अनुप्रयोग है

[Question ID = 58][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q58]

1. 1 [Option ID = 229]
2. 2 [Option ID = 230]
3. 3 [Option ID = 231]
4. 4 [Option ID = 232]

14) According to National Curriculum Framework 2005, the statement, "School mathematics can play a significant role in developing estimation and approximation skills" is

(1) Not true since mathematics is a subject which requires exact answers.

(2) True since students may approximate the answers as it is difficult to remember many formulae and algorithms.

(3) True since it helps in saving time in solving problems.

(4) True since solutions to many scientific, mathematical and everyday problems involve estimation and approximation.

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005 के अनुसार, यह कथन "अनुमान एवं सन्निकटन कौशल के विकास में स्कूली गणित एक सार्थक भूमिका निभा सकता है।"

(1) सत्य नहीं है क्योंकि गणित एक ऐसा विषय है जिसमें सटीक उत्तरों की आवश्यकता होती है।

(2) सत्य है, क्योंकि विद्यार्थियों के लिए कई सूत्र और कलन विधियों को याद करना कठिन है और वे उत्तरों का सन्निकटीकरण कर सकते हैं।

(3) सत्य है, क्योंकि यह प्रश्न को हल करने में समय की बचत करता है।

(4) सत्य है, क्योंकि कई वैज्ञानिक, गणितीय और प्रतिदिन की समस्याओं के हल में अनुमान एवं सन्निकटीकरण निहित है।

[Question ID = 59][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q59]

1. 1 [Option ID = 233]
2. 2 [Option ID = 234]
3. 3 [Option ID = 235]
4. 4 [Option ID = 236]

15) Which of the following would be least appropriate to teach fractions to students at primary level?

(1) Using pictorial representations of fractions.

(2) Differentiating between fractions and natural numbers using definitions.

(3) Using daily life examples of part and whole relationships.

(4) Using paper-folding techniques to represent various fractions.

निम्नलिखित में से कौन-सा प्राथमिक स्तर पर विद्यार्थियों को भिन्न सिखाने के लिए सबसे कम उपयुक्त होगा ?

(1) भिन्नों के चित्रीय निरूपण का उपयोग।

(2) परिभाषाओं के उपयोग से भिन्नों और प्राकृतिक संख्याओं के बीच अंतर करना।

(3) हिस्से और पूरे के संबंधों वाले दैनिक जीवन के उदाहरणों का उपयोग करना।

(4) विभिन्न भिन्नों को निरूपित करने के लिए पेपर-फोल्डिंग तकनीक का उपयोग करना।

[Question ID = 60][Question Description = CTET_P1_PART_2_MATHS_SET_103_Q60]

1. 1 [Option ID = 237]
2. 2 [Option ID = 238]
3. 3 [Option ID = 239]
4. 4 [Option ID = 240]

Topic:- EVS_Q61-75_P1_CTET

1) A tourist has reported as follows :
"I am in a village. Heavy rains is a common feature at this place. Hence, the villagers have made their houses almost 10 to 12 ft (i.e., 3 to 3.5 metres) above the ground on the bamboo pillars. The inner sides are also made of wood. The roofs are slopy."
The village must be in

(1) Himachal Pradesh

(2) Uttarakhand

(3) Assam

(4) Andhra Pradesh

किसी पर्यटक ने नीचे दिए अनुसार वर्णन किया है :
"मैं एक गाँव में हूँ। भारी वर्षा यहाँ की सामान्य विशेषता है। इसीलिए यहाँ के गाँवों के लोगों ने अपने घर बाँस के खम्बों पर धरती से लगभग 10 से 12 फुट (अर्थात् 3 से 3.5 मीटर) ऊँचाई पर बनाए हैं। ये घर भीतर से भी लकड़ी के बने हैं। इन घरों की छतें ढालू हैं।"
यह गाँव निम्नलिखित में से कहाँ होना चाहिए ?

(1) हिमाचल प्रदेश

(2) उत्तराखण्ड

(3) असम

(4) आंध्र प्रदेश

[Question ID = 61][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q61]

1. 1 [Option ID = 241]
2. 2 [Option ID = 242]
3. 3 [Option ID = 243]
4. 4 [Option ID = 244]

2) The largest fair/tribal festival in South India is

(1) Kumbha Mela

(2) Sammakka Saralamma Jatara

(3) Kharchi Festival

(4) Gangaji Fair

दक्षिण भारत का सबसे बड़ा मेला/आदिवासी उत्सव है

(1) कुंभ मेला

(2) समक्का सरालम्मा जातरा

(3) खरची उत्सव

(4) गंगाजी मेला

[Question ID = 62][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q62]

1. 1 [Option ID = 245]
2. 2 [Option ID = 246]
3. 3 [Option ID = 247]
4. 4 [Option ID = 248]

3) It is a social concern that sewage in many cities in India is still

(1) cleaned by machines

(2) cleaned by manual scavengers

(3) the best facility

(4) is owned by private companies

यह एक सामाजिक चिन्ता का विषय है कि भारत में बहुत से शहरों में मलजल अब भी

(1) मशीनों द्वारा साफ किया जाता है

(2) मैला ढोने वालों के द्वारा हाथ से सफाई की जाती है

(3) सबसे अच्छी सुविधा है

(4) निजी कम्पनियों के स्वामित्व में है

[Question ID = 63][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q63]

1. 1 [Option ID = 249]
2. 2 [Option ID = 250]
3. 3 [Option ID = 251]
4. 4 [Option ID = 252]

4) Pochampalli is the name of

(1) folk art paintings made with special colours

(2) sarees with traditional geometric patterns of dying

(3) type of goats whose fine wool is used for making shawls

(4) range of ancient Indian temples

पोचमपल्ली नाम है

(1) लोक चित्र कला का जो विशेष रंगों से बनाई जाती है

(2) साड़ियों का जिन पर पारंपरिक रंगाई के ज्यामितीय नमूने होते हैं

(3) बकरियों की किस्म का जिसका महीन ऊन शॉल बनाने के काम आता है

(4) प्राचीन भारतीय मंदिरों की श्रेणी का

[Question ID = 64][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q64]

1. 1 [Option ID = 253]
2. 2 [Option ID = 254]
3. 3 [Option ID = 255]
4. 4 [Option ID = 256]

5) Consider the following statements :

A. Lieutenant Commander Wahida Prism is a doctor in the Indian Navy.

B. Wahida Prism comes from a very small village and has done her schooling from a government school.

C. Wahida Prism is the first woman to lead a parade.

D. Wahida Prism is a medical officer and just gives medicine to the patients.

The correct statements is/are :

(1) Only A

(2) A and D

(3) A, B and C

(4) A, B and D

नीचे दिए गए कथनों पर विचार कीजिए :

A. लेफ्टीनेंट कमांडर वहीदा प्रिज़्म भारतीय नौसेना में डॉक्टर हैं।

B. वहीदा प्रिज़्म एक बहुत छोटे गाँव से हैं और उनकी पढ़ाई सरकारी विद्यालय में हुई है।

C. वहीदा प्रिज़्म पहली महिला हैं जिन्होंने एक परेड की कमान सँभाली।

D. वहीदा प्रिज़्म मेडिकल ऑफिसर हैं और रोगियों को दवा ही देती हैं।

सही कथन है/हैं :

(1) केवल A

(2) A और D

(3) A, B और C

(4) A, B और D

[Question ID = 65][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q65]

1. 1 [Option ID = 257]
2. 2 [Option ID = 258]
3. 3 [Option ID = 259]
4. 4 [Option ID = 260]

6) The unique art of embroidery of Varanasi is

(1) Zardozi

(2) Toda

(3) Phulkari

(4) Kantha

वाराणसी की कढ़ाई की अद्वितीय कला है

(1) ज़रदोज़ी

(2) तोड़ा

(3) फुलकारी

(4) कांथा

[Question ID = 66][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q66]

1. 1 [Option ID = 261]
2. 2 [Option ID = 262]
3. 3 [Option ID = 263]
4. 4 [Option ID = 264]

7) Which of the following would one use for travelling to space ?

(1) A satellite

(2) A rocket

(3) An airplane

(4) A meteoroid

निम्नलिखित में से कौन-सा अंतरिक्ष में यात्रा के लिए प्रयोग करेंगे ?

(1) सेटेलाइट/उपग्रह

(2) रॉकेट

(3) वायुयान

(4) उल्का पिंड

[Question ID = 67][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q67]

1. 1 [Option ID = 265]
2. 2 [Option ID = 266]
3. 3 [Option ID = 267]
4. 4 [Option ID = 268]

8) People from villages migrate to cities and towns

(1) for better hygiene and open spaces

(2) for better air quality and health provisions

(3) for better job opportunities and educational facilities

(4) for better water quality and social rules

लोग गाँवों से शहरों और कस्बों की ओर स्थानांतरित होते हैं ?

(1) बेहतर स्वच्छता तथा खुली जगह के लिए

(2) बेहतर गुणवत्ता की वायु तथा स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए

(3) बेहतर रोज़गार के अवसर तथा शैक्षिक सुविधाओं के लिए

(4) बेहतर गुणवत्ता का जल तथा सामाजिक नियमों के लिए

[Question ID = 68][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q68]

1. 1 [Option ID = 269]
2. 2 [Option ID = 270]
3. 3 [Option ID = 271]
4. 4 [Option ID = 272]

9) We observe that in urban areas most of the wells which were functional about 40 years ago have dried up. Consider the following possible reasons for drying up of water in the wells.

A. No one wants to use well as there are taps in every home.

B. People love to draw underground water using electric motor.

C. The soil around the trees, wells and nearby areas is now covered with cement / coal tar to make the surrounding clean.

D. The lakes (ponds) in which rainwater used to collect are no longer there. Tall buildings may be seen in those places.

The correct answers are

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) A, C and D

(4) A, B and D

हम शहरी क्षेत्रों में यह देखते हैं कि अधिकांश कुएँ जो लगभग 40 वर्ष पूर्व पानी भरने के लिए उपयोग किए जाते थे अब सूख गए हैं। इन कुओं में पानी के सूखने के नीचे दिए गए संभावित कारणों पर विचार कीजिए।

A. कोई भी कुओं का उपयोग करना नहीं चाहता है क्योंकि सभी घरों में टोंटियाँ लगी हैं।

B. लोग विद्युत मोटर द्वारा भौम जल खींचना पसन्द करते हैं।

C. पेड़ों, कुओं और आसपास की जमीन को अब सीमेन्ट / कोलतार द्वारा ढँक कर वातावरण को साफ बना दिया गया है।

D. जिन झीलों (तालाबों) में वर्षा का पानी इकट्ठा होता था अब वहाँ नहीं है। उन स्थानों पर ऊँचे भवन देखे जा सकते हैं।

सही उत्तर हैं

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) A, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 69][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q69]

1. 1 [Option ID = 273]
2. 2 [Option ID = 274]
3. 3 [Option ID = 275]
4. 4 [Option ID = 276]

10) On account of Yoga day celebrations, an EVS teacher decided to take 5th grade students on a tour to the 'Yoga capital of the World', which is

(1) Ranikhet

(2) Ooty

(3) Rishikesh

(4) Gangtok

योग दिवस के समारोह के उपलक्ष्य में, एक EVS का अध्यापक निश्चय करता है कि वह पाँचवीं कक्षा के छात्रों को 'विश्व की योग राजधानी' के भ्रमण पर ले जाएगा, जिसका नाम है :

(1) रानीखेत

(2) ऊटी

(3) ऋषिकेश

(4) गैंगटॉक

[Question ID = 70][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q70]

1. 1 [Option ID = 277]
2. 2 [Option ID = 278]
3. 3 [Option ID = 279]

4. 4 [Option ID = 280]

11) At home, children are told to eat slowly and chew well. The most appropriate reason/s is/are

A. they eat less

B. their teeth remain safe

C. they don't drink water while eating

D. their food digests properly

Choose the correct option :

(1) A and B

(2) B and D

(3) A, B and D

(4) Only D

घर में बच्चों से धीरे-धीरे खाने के लिए एवं अच्छी तरह चबाने के लिए कहा जाता है। इसका/के सबसे उपयुक्त कारण है/हैं

A. वे कम खाते हैं

B. उनके दाँत सुरक्षित रहते हैं

C. वे खाते समय पानी नहीं पीते

D. उनके भोजन का पाचन सही ढंग से होता है

सही विकल्प को चुनिए :

(1) A और B

(2) B और D

(3) A, B और D

(4) केवल D

[Question ID = 71][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q71]

1. 1 [Option ID = 281]
2. 2 [Option ID = 282]
3. 3 [Option ID = 283]
4. 4 [Option ID = 284]

12) Highest class of roads which are mostly 6 lanes or above are called

(1) National highways

(2) Airways

(3) Expressways

(4) Waterways

सड़कों का सर्वोच्च वर्ग जो अधिकतर 6 पथ या अधिक का होता है, क्या कहलाते हैं ?

(1) राष्ट्रीय राजमार्ग

(2) वायुमार्ग

(3) एक्सप्रेसवे

(4) जलमार्ग

[Question ID = 72][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q72]

1. 1 [Option ID = 285]
2. 2 [Option ID = 286]
3. 3 [Option ID = 287]
4. 4 [Option ID = 288]

13) Solve the following riddle :

"On my head I have a crest,
All say I dance the best,
Of my feathers I am proud."
I am

(1) Parrot

(2) Dove

(3) Duck

(4) Peacock

निम्नलिखित पहेली हल कीजिए :

"सिर पर मेरे ताज है,
सुन्दर नाच दिखाता हूँ,
सुन्दर पंखों पर नाज़ है।"
मैं हूँ

(1) तोता

(2) फ़ाख़्ता

(3) बत्तक/सुरखाब

(4) मोर

[Question ID = 73][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q73]

1. 1 [Option ID = 289]
2. 2 [Option ID = 290]
3. 3 [Option ID = 291]
4. 4 [Option ID = 292]

14) The popular art and craft of Daman and Diu is :

(1) Bamboo craft

(2) Warli painting

(3) Stoneware

(4) Tortoise shell craft

दमन एवं दीव की लोकप्रिय कला एवं शिल्पकारी है

(1) बाँस की शिल्पकारी

(2) वरली चित्रकारी

(3) पत्थर की शिल्पकारी

(4) कछुए के कवच की शिल्पकारी

[Question ID = 74][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q74]

1. 1 [Option ID = 293]
2. 2 [Option ID = 294]
3. 3 [Option ID = 295]
4. 4 [Option ID = 296]

15) Vitamins and minerals are called micronutrients because

(1) they can only be obtained by artificial supplements.

(2) their deficiency causes various kinds of diseases.

(3) they are required by humans in smaller amounts.

(4) they are important components of all food items.

विटामिनों तथा खनिज लवणों को सूक्ष्म पोषक तत्त्व कहा जाता है क्योंकि

(1) इनको केवल कृत्रिम संपूरकों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है।

(2) इनकी कमी/अभाव से विविध प्रकार के रोग हो जाते हैं।

(3) मनुष्यों में इनकी आवश्यकता कम मात्रा में होती है।

(4) ये सभी खाद्य पदार्थों के महत्त्वपूर्ण घटक हैं।

[Question ID = 75][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q75]

1. 1 [Option ID = 297]
2. 2 [Option ID = 298]
3. 3 [Option ID = 299]
4. 4 [Option ID = 300]

Topic:- EVS_Q76-90_P1_CTET

1) Which of the following statements explains the fact that Environmental Studies is an inter-disciplinary subject ?

A. It integrates the knowledge of various subjects for understanding all the aspects of environments.

B. It is an interdisciplinary area which includes concepts in various forms.

C. It is an area of interaction between biological, social and cultural environments.

D. It is an area of interaction and mutual dependence between living and non-living components.

E. It is the prior preparation of science and social science subjects of upper primary classes.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) C, D and E

(4) A, B and E

निम्नलिखित में से कौन-से कथन इस तथ्य को स्पष्ट करते हैं कि पर्यावरण अध्ययन एक अंत:अनुशासनिक विषय है ?

A. यह पर्यावरण के सभी पहलुओं को समझने के लिए विभिन्न विषयों के ज्ञान को एकीकृत करता है।

B. यह विविध रूप में अवधारणाओं को शामिल करने वाला एक अंत:अनुशासनिक क्षेत्र है।

C. यह जैविक, सामाजिक व सांस्कृतिक पर्यावरण में होने वाली अंत:क्रिया का क्षेत्र है।

D. यह जैविक और जीवेत्तर घटकों के मध्य परस्पर आश्रितता एवं अंत:क्रिया करने वाला क्षेत्र है।

E. यह उच्च प्राथमिक कक्षाओं के विज्ञान एवं सामाजिक विज्ञान विषयों की पूर्व तैयारी है।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) C, D और E

(4) A, B और E

[Question ID = 76][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q76]

1. 1 [Option ID = 301]
2. 2 [Option ID = 302]
3. 3 [Option ID = 303]
4. 4 [Option ID = 304]

2) Theme-based approach in EVS helps in

(1) covering all concepts and issues

(2) developing sensitivity towards the environment

(3) developing student-teacher relationship

(4) accessing knowledge holistically

पर्यावरण अध्ययन में थीम-आधारित पद्धति सहायक होती है

(1) सभी प्रत्ययों एवं विषयों को शामिल करने में

(2) पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में

(3) विद्यार्थी-अध्यापक संबंध विकसित करने में

(4) ज्ञान को संपूर्णता से अर्जित करने में

[Question ID = 77][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q77]

1. 1 [Option ID = 305]
2. 2 [Option ID = 306]
3. 3 [Option ID = 307]
4. 4 [Option ID = 308]

3) Which of the following statements explain the nature of CCE ?

A. This is an assessment which is done at the end of lesson and year.

B. This is an assessment of what has been learnt instead of assessment for learning.

C. This is providing an opportunity to learn constructively.

D. This is an assessment for learning instead of assessment of what has been learnt.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) A and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन सतत एवं समग्र मूल्यांकन की प्रकृति को स्पष्ट करते हैं ?

A. यह पाठ तथा साल के अंत में होने वाला आकलन है।

B. यह सीखने के लिए के बजाय सीखे गए का आकलन है।

C. यह रचनात्मक रूप से सीखने के अवसर उपलब्ध कराना है।

D. यह सीखे गए के बजाय सीखने के लिए का आकलन है।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) A और D

[Question ID = 78][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q78]

1. 1 [Option ID = 309]

2. 2 [Option ID = 310]
3. 3 [Option ID = 311]
4. 4 [Option ID = 312]

4) CCE in EVS stands for

(1) Continuous and Cumulative Evaluation

(2) Cumulative and Cognitive Evaluation

(3) Comprehensive and Cumulative Evaluation

(4) Continuous and Comprehensive Evaluation

EVS में CCE का अर्थ है

(1) सतत एवं संचयी मूल्यांकन

(2) संचयी एवं संज्ञानात्मक मूल्यांकन

(3) व्यापक एवं संचयी मूल्यांकन

(4) सतत एवं व्यापक मूल्यांकन

[Question ID = 79][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q79]

1. 1 [Option ID = 313]
2. 2 [Option ID = 314]
3. 3 [Option ID = 315]
4. 4 [Option ID = 316]

5) Which of the following statements are the objective of EVS ?

A. To provide direct information, definitions & description about the environment.

B. To develop sensitivity towards current environmental issues.

C. To generate situations to interact with environment and acquire knowledge by self.

D. To develop the efficiency to remove the environmental problems.

(1) A and B

(2) B and C

(3) B, C and D

(4) A, B and D

निम्नलिखित में से कौन-से कथन पर्यावरण अध्ययन के उद्देश्य हैं ?

A. पर्यावरण के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी, परिभाषाएँ और विवरण प्रदान करना ।

B. मौजूदा पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना ।

C. परिवेश से अंत:क्रिया करके स्वयं ज्ञानार्जन करने की स्थितियाँ बनाना ।

D. पर्यावरणीय समस्याओं को दूर करने की कुशलता विकसित करना ।

(1) A और B

(2) B और C

(3) B, C और D

(4) A, B और D

[Question ID = 80][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q80]
1. 1 [Option ID = 317]
2. 2 [Option ID = 318]
3. 3 [Option ID = 319]
4. 4 [Option ID = 320]

6) In EVS, an environment as a concept is meant to include

(1) physical environment and biological environment

(2) biological environment, physical environment, socio-cultural environment

(3) physical environment and socio-cultural environment

(4) biological environment, life processes and systems, socio-cultural environment

पर्यावरण अध्ययन में संप्रत्यय के रूप में पर्यावरण सम्मिलित करता है

(1) भौतिक पर्यावरण और जैविक पर्यावरण

(2) जैविक पर्यावरण, भौतिक पर्यावरण, सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण

(3) भौतिक पर्यावरण और सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण

(4) जैविक पर्यावरण, जीवन प्रक्रम और तंत्र, सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण

[Question ID = 81][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q81]
1. 1 [Option ID = 321]
2. 2 [Option ID = 322]
3. 3 [Option ID = 323]
4. 4 [Option ID = 324]

7) While waiting for the school bus in the morning, Mona was asking her son Jayesh, facts and definitions for the EVS test to be held today.

Which of the following statements are big barriers for learning of Jayesh ?

A. Mona is helping Jayesh by doing so, because by revising, Jayesh will learn facts and definitions by heart.

B. Mona is helping Jayesh by doing so, because facts and definitions are learnt better in the morning hours.

C. Mona is making Jayesh anxious by asking facts and definitions, instead of nurturing natural curiosity.

D. Mona is making Jayesh anxious by asking facts and definitions instead of developing process skills.

(1) A, B and C

(2) B, C and D

(3) C and D

(4) A and B

सुबह स्कूल बस का इंतजार करते समय मोना अपने बेटे जयेश को आज आयोजित होने वाली पर्यावरण अध्ययन परीक्षा के लिए तथ्य और परिभाषाएँ पूछ रही थी।
निम्नलिखित में से कौन-से कथन जयेश के सीखने में सबसे बड़ी बाधाएँ हैं ?

A. ऐसा करके मोना जयेश की सहायता कर रही है, क्योंकि दोहराने से जयेश तथ्यों और परिभाषाओं को अच्छी तरह याद करेगा।

B. ऐसा करके मोना जयेश की सहायता कर रही है, क्योंकि तथ्यों और परिभाषाओं को सुबह के समय अच्छी तरह से याद किया जा सकता है।

C. ऐसा करके मोना प्राकृतिक जिज्ञासा का पोषण कर रही है।

D. ऐसा करके मोना प्रक्रिया कौशल विकसित कर रही है।

(1) A, B और C

(2) B, C और D

(3) C और D

(4) A और B

[Question ID = 82][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q82]

1. 1 [Option ID = 325]
2. 2 [Option ID = 326]
3. 3 [Option ID = 327]
4. 4 [Option ID = 328]

8) EVS text book is

A. Child-centred

B. Teacher-centred

C. Subject-centred

D. Community-centred

(1) Only A

(2) A and C

(3) A and B

(4) A and D

EVS की पाठ्य-पुस्तक उद्देशित है

A. बाल-केंद्रित

B. शिक्षक-केंद्रित

C. विषय-केंद्रित

D. समुदाय-केंद्रित

(1) केवल A

(2) A और C

(3) A और B

(4) A और D

[Question ID = 83][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q83]

1. 1 [Option ID = 329]
2. 2 [Option ID = 330]
3. 3 [Option ID = 331]
4. 4 [Option ID = 332]

9) While teaching "Foods" to class IV students, Rukmini made the students eat "Chaat" a popular food. She asked students to describe the taste and guess the ingredients used in the chaat. This approach will help in the development of which of the following type of process skill ?

(1) Theoretical skill

(2) Practical skill

(3) Observation skill

(4) Skill of describing

कक्षा IV के विद्यार्थियों को "भोजन" पढ़ाते हुए रुक्मिणी ने विद्यार्थियों को एक लोकप्रिय भोजन "चाट" खिलाया। उसने विद्यार्थियों से इसके स्वाद का वर्णन करने तथा चाट में प्रयोग की गई सामग्री का अनुमान लगाने को कहा।

यह उपागम निम्नलिखित में से किस प्रकार के प्रक्रिया कौशल को विकसित करने में सहायक है ?

(1) सैद्धांतिक कौशल

(2) प्रायोगिक कौशल

(3) अवलोकन कौशल

(4) व्याख्या करने का कौशल

[Question ID = 84][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q84]

1. 1 [Option ID = 333]
2. 2 [Option ID = 334]
3. 3 [Option ID = 335]
4. 4 [Option ID = 336]

10) The skills developed by students when they conduct the activity given in the topic 'what floats, what sinks' are

(1) Observation, Discovery, Discussions

(2) Interviewing, Questioning, Cooperation

(3) Observation, Recording, Analysis

(4) Explanation, Discussion, Concern for Justice & Equality

जब विद्यार्थी, विषय 'क्या तैरता है क्या डूब जाता है' में दिए गए क्रियाकलाप को संचालित करते हैं, तब उनमें जिन कौशलों का विकास होता है, वे हैं

(1) प्रेक्षण, खोज, चर्चा करना

(2) साक्षात्कार करना, प्रश्न करना, सहयोग

(3) प्रेक्षण, अभिलेखन, विश्लेषण

(4) व्याख्या करना, चर्चा करना, न्याय एवं समानता से संबंध

[Question ID = 85][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q85]

1. 1 [Option ID = 337]
2. 2 [Option ID = 338]
3. 3 [Option ID = 339]
4. 4 [Option ID = 340]

11) Radha, an EVS teacher was making "Poori" at her home on Diwali. Her daughter Geeta wondered why the poori puffed on frying. As a teacher what should Radha do ?

A. Tell her that water molecules get converted into steam and poori gets puffed due to steam thus formed.

B. Ask her to think about other similar eatables that get puffed like "chapati" and think about the reason.

C. Ask her to think about the reason and explain why poori gets puffed upon frying in oil.

D. Show her that plate covering the rice utensil during cooking also moves upwards and ask why it moves upwards.

(1) A and B

(2) B and C

(3) C and D

(4) B and D

राधा, एक ई.वी.एस. की अध्यापिका, दिवाली पर अपने घर पूड़ी बना रही थी। उसकी बेटी गीता को यह आश्चर्य हुआ कि पूड़ी तलने पर फूली क्यों ? राधा को एक शिक्षक होने के नाते क्या करना चाहिए ?

A. उससे कहे कि पानी के अणु भाप में बदल जाते हैं और इस तरह से बनी भाप के कारण पूड़ी फूल जाती है।

B. उससे इस तरह की अन्य फूलने वाली खाने की वस्तुओं जैसे "चपाती" के बारे में सोचने को कहें और इसका कारण खोजने को कहें।

C. उससे इसका कारण सोचने और यह समझाने को कहें कि तेल में तलने पर पूड़ी क्यों फूल जाती है।

D. उसे यह दिखाएँ कि चावल पकाने के दौरान, चावल के बरतन को ढँकने वाली थाली भी ऊपर उठती है, और उससे उसके ऊपर उठने का कारण पूछें।

(1) A और B

(2) B और C

(3) C और D

(4) B और D

[Question ID = 86][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q86]

1. 1 [Option ID = 341]
2. 2 [Option ID = 342]
3. 3 [Option ID = 343]
4. 4 [Option ID = 344]

12) In class IV, chapter on 'Changing Times', students are expected to interact with their grandparents to find out about their childhood. This approach relies on

(1) History

(2) Archaeology

(3) Written records

(4) Oral history

कक्षा IV के पाठ 'बदलते समय' में विद्यार्थियों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे अपने दादा-दादी से संवाद करें और उनसे उनके बाल्यकाल के विषय में जानें। यह उपागम निर्भर है

(1) इतिहास पर

(2) पुरातत्त्व पर

(3) लिखित अभिलेखों पर

(4) मौखिक इतिहास पर

[Question ID = 87][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q87]

1. 1 [Option ID = 345]
2. 2 [Option ID = 346]
3. 3 [Option ID = 347]
4. 4 [Option ID = 348]

13) In a camp, during evening Nayeema asked students to sweep their room for cleaning it. Mani said, "My grandmother says that if we sweep the house after sunset, we will become poor." What should Nayeema do ?

(1) Tell Mani that no such thing happens if we sweep the house in the evening.

(2) Tell Mani that keeping the place where we live clean is essential and so sweeping must be done.

(3) Ask Mani if she has swept the house earlier to see what happens when sweeping is done after sunset.

(4) Tell Mani to sweep the room and test whether she becomes poor by doing so.

कैम्प में, शाम के दौरान, नाईमा अपने विद्यार्थियों से उनके कमरे साफ करने के लिए झाड़ू लगाने को कहती हैं। मणि कहता है, "मेरी दादी कहती है अगर हम सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाएँ, तो हम ग़रीब हो जाएँगे।" नाईमा को क्या करना चाहिए ?

(1) मणि से कहे कि अगर हम शाम को घर में झाड़ू लगाते हैं, तो ऐसा कुछ नहीं होता है।

(2) मणि से कहे कि जहाँ हम रहते हैं, उस जगह को साफ रखना चाहिए, इसलिए झाड़ू लगाना चाहिए।

(3) मणि से पूछे कि क्या उसने यह देखने के लिए कि अगर सूर्यास्त के बाद झाड़ू लगाया जाए तो क्या होता है, कभी झाड़ू लगाया है।

(4) मणि से कहे कि वह झाड़ू लगाकर इस बात की जाँच करे कि ऐसा कर के क्या वह ग़रीब हो जाता है।

[Question ID = 88][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q88]

1. 1 [Option ID = 349]
2. 2 [Option ID = 350]
3. 3 [Option ID = 351]
4. 4 [Option ID = 352]

14) Students are encouraged to actively engage in the learning process thus developing practical skills that will be of help in their lives later. Such an idea depends upon

(1) Discovery approach

(2) Inquiry method

(3) Conceptual approach

(4) Experiential learning

विद्यार्थियों को अधिगम प्रक्रिया में सक्रिय भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे उनमें प्रक्रिया कौशलों का विकास होता है, जो उन्हें जीवन में मदद करेगा । ऐसा विचार निर्भर है

(1) खोज उपागम पर

(2) अन्वेषण विधि पर

(3) संप्रत्ययात्मक उपागम पर

(4) अनुभवात्मक अधिगम पर

[Question ID = 89][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q89]

1. 1 [Option ID = 353]
2. 2 [Option ID = 354]
3. 3 [Option ID = 355]
4. 4 [Option ID = 356]

15) While on a visit to the zoo, students were observing rabbits. Kiran asked the teacher, "Which is the rabbit who ran the race with the tortoise ? Where is the tortoise ?"
Kiran's questions indicate which of the following objectives of EVS learning ?

(1) To connect children with the explorative activities

(2) To nourish the creativity of children

(3) To develop an awareness towards environmental issues

(4) To develop sensitivity towards wild animals

चिड़ियाघर की सैर के दौरान विद्यार्थी खरगोश देख रहे थे । किरण ने अध्यापिका से पूछा, "वह खरगोश कौन-सा है, जिसने कछुए के साथ दौड़ लगाई थी ? वह कछुआ कहाँ है ?"
किरण के प्रश्न पर्यावरण अध्ययन अधिगम के किन उद्देश्यों को इंगित करते हैं ?

(1) बच्चों को अन्वेषणात्मक गतिविधियों से जोड़ना

(2) बच्चों की सृजनात्मकता का पोषण करना

(3) परिवेशीय मुद्दों पर जागरूकता का विकास करना

(4) वन्य जीवों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना

[Question ID = 90][Question Description = CTET_P1_PART_3_EVS_SET_103_Q90]

1. 1 [Option ID = 357]
2. 2 [Option ID = 358]
3. 3 [Option ID = 359]
4. 4 [Option ID = 360]

Topic:- HIN_Q91-99_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

गद्यांश के अनुसार "बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं ।" से तात्पर्य है

(1) बच्चों ने कभी कारें नहीं देखी थीं ।

(2) बच्चों को रंग अच्छे लगते हैं ।

(3) बच्चों ने देखी हुई कारों में अपनी कल्पना भी जोड़ दी थी ।

(4) बच्चे रंग-बिरंगी कारें ही बनाते हैं ।

[Question ID = 121][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q91]

1. 1 [Option ID = 481]
2. 2 [Option ID = 482]
3. 3 [Option ID = 483]
4. 4 [Option ID = 484]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा। बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं। एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा। टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार। माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया। टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया। इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया। 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है। एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या। सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं। यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है। चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है। नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है। यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं। इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ। फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर। दूसरा शब्द है – इमेज। है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है। फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है। हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं।

एक बच्चे की कल्पनाशीलता खत्म हो जाती है, जब

(1) उसकी कल्पनाशीलता की सराहना हो।

(2) उसे टोका न जाए।

(3) उसे वह बनाने दिया जाए जो वह बनाना चाहता है।

(4) उसके बनाए चित्र पर लाल पेन चलाया जाए।

[Question ID = 122][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q92]

1. 1 [Option ID = 485]
2. 2 [Option ID = 486]
3. 3 [Option ID = 487]
4. 4 [Option ID = 488]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

कला के लिए आवश्यक है

(1) रंगों की पहचान

(2) कलाओं का ज्ञान

(3) कठोर अभ्यास

(4) कल्पनाशीलता

[Question ID = 123][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q93]

1. 1 [Option ID = 489]
2. 2 [Option ID = 490]
3. 3 [Option ID = 491]
4. 4 [Option ID = 492]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

"कार में दरवाजों पर पंख लगाना और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा लगाना" बच्चे के किस गुण की ओर संकेत करता है ?

(1) स्वच्छंदता

(2) कल्पनाशीलता

(3) परिश्रम

(4) लगन

[Question ID = 124][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q94]

1. 1 [Option ID = 493]
2. 2 [Option ID = 494]
3. 3 [Option ID = 495]
4. 4 [Option ID = 496]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा। बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं। एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा। टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार। माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया। टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया। इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया। 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है। एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या। सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं। यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है। चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है। नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है। यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं। इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ। फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर। दूसरा शब्द है – इमेज। है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है। फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है। हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं।

निम्न में से कौन-सा कथन ***सत्य*** है ?

(1) प्रत्येक फोटोग्राफ इमेज होती है।

(2) फोटोग्राफ तथा इमेज में रंगगत अंतर होता है।

(3) फोटोग्राफ और इमेज में एंगल समान होता है।

(4) इमेज में फोटोग्राफर की कल्पना भी शामिल होती है।

[Question ID = 125][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q95]

1. 1 [Option ID = 497]
2. 2 [Option ID = 498]
3. 3 [Option ID = 499]
4. 4 [Option ID = 500]

6) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

नज़रिए को शब्दों या चित्रों में कल्पनाशीलता की ज़रूरत होती है । रेखांकित शब्द के स्थान पर __________ का प्रयोग कर सकते हैं ।

(1) आवश्यक

(2) अवश्य

(3) आवश्यकता

(4) ज़रूर

[Question ID = 126][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q96]

1. 1 [Option ID = 501]
2. 2 [Option ID = 502]
3. 3 [Option ID = 503]
4. 4 [Option ID = 504]

7) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

'बच्चों ने अपनी समझ के अनुसार रंग-बिरंगी कारें बनाईं ।' वाक्य में विशेषण शब्द है

(1) समझ

(2) रंग-बिरंगी

(3) कारें

(4) बनाईं

[Question ID = 127][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q97]

1. 1 [Option ID = 505]
2. 2 [Option ID = 506]
3. 3 [Option ID = 507]
4. 4 [Option ID = 508]

8) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए ।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा । बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं । एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा । टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार । माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया । टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया । इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया । 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है । एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या । सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं । यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है । चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है । नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है । यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं । इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ । फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर । दूसरा शब्द है – इमेज । है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है । फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है । हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं ।

'कल्पना' का विलोम _________ है ।

(1) कल्पनाशीलता

(2) यथार्थ

(3) सत्य

(4) यथार्थवादी

[Question ID = 128][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q98]

1. 1 [Option ID = 509]
2. 2 [Option ID = 510]
3. 3 [Option ID = 511]
4. 4 [Option ID = 512]

9) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

एक स्कूल में आर्ट के पीरियड में टीचर ने बच्चों से कार बनाने को कहा। बच्चों ने अपनी समझ के हिसाब से रंग-बिरंगी कारें बनाईं। एक बच्चे ने कार में दरवाजों के पास पंख लगा दिए और छत पर हेलिकॉप्टर जैसा बड़ा सा पंखा। टीचर ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक में बनी हुई कार को लाल पेन से काटते हुए नोट लिखा – प्लीज, मेक अ प्रॉपर कार। माँ ने बच्चे की ड्रॉइंग बुक देखी तो उसे फटकार लगाते हुए कहा – कार भी कहीं उड़ती है ? अगले दिन बच्चा ड्रॉइंग बुक पर एक साधारण सी कार बनाकर लाया। टीचर ने उस पर सही का निशान लगाते हुए साइन कर दिया। इस सबके बीच एक मासूम सवाल, जवाब की तलाश में भटक गया। 'क्या कारें उड़ सकती हैं ?'

पहली नजर में साधारण सा नजर आने वाला यह किस्सा असल में एक हत्या की कहानी है। एक बच्चे की कल्पनाशीलता की हत्या। सोचिए, कला क्या है ? चीजें जैसी दिखती हैं, उन्हें वैसे ही बयान कर देना या लकीरों के जरिए कागज पर उतार देना ही कला है ? नहीं बिल्कुल भी नहीं। यह तो डॉक्युमेंटेशन या दस्तावेजीकरण है। चीजों को अपने नजरिए के साथ पेश करना कला है। नजरिए को शब्दों या चित्रों में उतारने के लिए कल्पनाशीलता की जरूरत होती है। यानी बिना कल्पनाशीलता के आर्ट या कला संभव ही नहीं। इसे दो शब्दों के जरिए और विस्तार से समझते हैं। पहला शब्द है – फोटोग्राफ। फोटोग्राफ यानी फोटॉन (लाइट) के जरिए लाइट सेंसिटिव सरफेस पर बनने वाली तस्वीर। दूसरा शब्द है – इमेज। है यह भी लाइट से बनी हुई तस्वीर ही, पर इमेज शब्द में इमैजिनेशन भी शामिल होती है। फोटोग्राफर जब किसी तस्वीर में एंगल, रंगों और पर्सपेक्टिव के जरिए अपना इमैजिनेशन जोड़ता है तो वह इमेज बनती है। हर फोटोग्राफ, इमेज हो, ऐसा जरूरी नहीं।

निम्न में से कौन-सा शब्द समूह से भिन्न है ?

(1) टीचर

(2) स्कूल

(3) लाइट

(4) कला

[Question ID = 129][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q99]

1. 1 [Option ID = 513]
2. 2 [Option ID = 514]
3. 3 [Option ID = 515]
4. 4 [Option ID = 516]

Topic:- HIN_Q100-105_L1_P1_CTET

1) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर !
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

कविता में किस समय का वर्णन है ?

(1) गर्मी

(2) सर्दी

(3) सावन

(4) बसंत

[Question ID = 130][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q100]

1. 1 [Option ID = 517]
2. 2 [Option ID = 518]
3. 3 [Option ID = 519]
4. 4 [Option ID = 520]

2) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर!
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

'वारि की धार' से तात्पर्य है

(1) तलवार की धार

(2) बारिश की सीढ़ी

(3) बूँदों की लड़ी

(4) खड्ग की धार

[Question ID = 131][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q101]

1. 1 [Option ID = 521]
2. 2 [Option ID = 522]
3. 3 [Option ID = 523]
4. 4 [Option ID = 524]

3) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही/सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर !
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

'जीवन में सावन मनभावन' से आशय है

(1) जीवन में खुशियाँ रहें

(2) जीवन में सावन रहे

(3) जीवन मनभावन रहे

(4) सावन का नाम मनभावन है

[Question ID = 132][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q102]

1. 1 [Option ID = 525]
2. 2 [Option ID = 526]
3. 3 [Option ID = 527]
4. 4 [Option ID = 528]

4) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर !
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

'रोम सिहर उठते' से आशय है

(1) मन का भयातुर होना

(2) मन का प्रफुल्लित होना

(3) मन का सिहर उठना

(4) मन का शंकाकुल होना

[Question ID = 133][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q103]

1. 1 [Option ID = 529]
2. 2 [Option ID = 530]
3. 3 [Option ID = 531]
4. 4 [Option ID = 532]

5) ***निर्देश :*** *निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर!
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

'रज' का अर्थ है

(1) पृथ्वी

(2) धूल

(3) कंकड़

(4) भूमि

[Question ID = 134][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q104]

1. 1 [Option ID = 533]
2. 2 [Option ID = 534]
3. 3 [Option ID = 535]
4. 4 [Option ID = 536]

6) *निर्देश : निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही /सबसे उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनिए।*

रिमझिम रिमझिम क्या कुछ कहते बूँदों के स्वर,
रोम सिहर उठते छूते वे भीतर अंतर !
धाराओं पर धाराएँ झरतीं धरती पर,
रज के कण कण में तृण-तृण की पुलकावलि भर।
पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे सब मुझे घेरकर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर फिर आए जीवन में सावन मनभावन।

'झूलता है मेरा मन' में _________ अलंकार है।

(1) रूपक

(2) उपमा

(3) मानवीकरण

(4) यमक

[Question ID = 135][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q105]

1. 1 [Option ID = 537]
2. 2 [Option ID = 538]
3. 3 [Option ID = 539]
4. 4 [Option ID = 540]

Topic:- HIN_Q106-120_L1_P1_CTET

1) जब बच्चे घर और समुदाय से अलग-अलग भाषा अनुभवों के साथ विद्यालय में प्रवेश लेते हैं तो शिक्षक को विद्यालय में

(1) उनकी गृह भाषा की उपेक्षा करनी चाहिए

(2) अनुदेशन की भाषा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए

(3) उनकी गृह-भाषा का प्रयोग करना चाहिए

(4) उनसे विद्यालय में घर की भाषा का प्रयोग नहीं करने के लिए कहना चाहिए

[Question ID = 136][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q106]

1. 1 [Option ID = 541]
2. 2 [Option ID = 542]
3. 3 [Option ID = 543]
4. 4 [Option ID = 544]

2) बच्चों को प्रभावी संप्रेषणकर्ता बनाने के लिए एक शिक्षक को निम्नलिखित में से किसका अभ्यास उनके साथ ***नहीं*** करना चाहिए ?

(1) भाषा के साथ खेलना

(2) भाषा का उत्पादन

(3) ज्ञान का निर्माण एवं उसे साझा करना

(4) बेहतर प्रदर्शन हेतु भूमिका-निर्वाह के लिए संवादों को याद करना

[Question ID = 137][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q107]

1. 1 [Option ID = 545]
2. 2 [Option ID = 546]
3. 3 [Option ID = 547]
4. 4 [Option ID = 548]

3) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन ***सही*** है ?

(1) अंग्रेज़ी कक्षा में आने वाले बच्चे साफ़ स्लेट की तरह होते हैं।

(2) कक्षा 1 में बच्चे अंग्रेज़ी बिल्कुल भी नहीं जानते।

(3) बच्चे अपने अनुभवों की पूँजी के साथ विद्यालय आते हैं।

(4) शिक्षार्थियों का अनुभव उनके सीखने में सहयोग नहीं करता।

[Question ID = 138][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q108]

1. 1 [Option ID = 549]
2. 2 [Option ID = 550]
3. 3 [Option ID = 551]
4. 4 [Option ID = 552]

4) प्रत्येक बच्चा वाक्य-विन्यास संबंधी नियमों के साथ लैस होता है, जिसे सार्वभौमिक व्याकरण कहते हैं। यह ________ से संबंधित है।

(1) भाषा अर्जन क्षमता

(2) भाषा अर्जित क्षमता

(3) सीखना अर्जन प्रेरणा

(4) भाषा अर्जन प्रेरणा

[Question ID = 139][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q109]

1. 1 [Option ID = 553]
2. 2 [Option ID = 554]
3. 3 [Option ID = 555]
4. 4 [Option ID = 556]

5) नए शब्द पढ़ने के लिए अक्षरों को उनकी ध्वनि से संयोजित करना ________ कहलाता है।

(1) शब्द-संरचना

(2) शब्द-पहचान

(3) स्वनिमिक जागरूकता

(4) पठन अवबोधन

[Question ID = 140][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q110]

1. 1 [Option ID = 557]
2. 2 [Option ID = 558]
3. 3 [Option ID = 559]
4. 4 [Option ID = 560]

6) कौन-सा उपागम शिक्षक को कक्षा-कक्ष में अन्य भाषाओं की सराहना करने और अवधारणाओं को समझने हेतु शिक्षार्थियों के लिए एक सेतु उपलब्ध कराता है तथा उनकी घर की भाषा एवं विद्यालय की अनुदेशन की भाषा के बीच एक निकटीय सूत्र का विकास करता है ?

(1) त्रि-भाषा सूत्र

(2) बहुभाषिक उपागम

(3) बहु-श्रेणीय उपागम

(4) प्रत्यक्ष उपागम

[Question ID = 141][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q111]

1. 1 [Option ID = 561]
2. 2 [Option ID = 562]
3. 3 [Option ID = 563]
4. 4 [Option ID = 564]

7) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही ***नहीं*** है ?

(1) बोलना सुनने के बाद का दूसरा चरण है ।

(2) लेखन कौशल को बोलने के कौशल से पहले विकसित करना चाहिए ।

(3) सुनने के अभ्यास के बाद बोलने का अभ्यास होना चाहिए ।

(4) भाषा कौशलों का अभ्यास एकीकृत रूप से होना चाहिए ।

[Question ID = 142][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q112]

1. 1 [Option ID = 565]
2. 2 [Option ID = 566]
3. 3 [Option ID = 567]
4. 4 [Option ID = 568]

8) एक बच्चे द्वारा उसके दोस्तों के साथ प्रयुक्त भाषा उसके शिक्षकों के साथ प्रयुक्त भाषा से भिन्न होती है । इसी तरह से वह अपनी माँ के साथ भोजन आदि के लिए अलग तरीके से बोलता है । भाषा का कौन-सा पक्ष अपनी भूमिका निभाता है ?

(1) परिवेशीय पक्ष

(2) मनोवैज्ञानिक पक्ष

(3) अनौपचारिक पक्ष

(4) सामाजिक पक्ष

[Question ID = 143][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q113]

1. 1 [Option ID = 569]
2. 2 [Option ID = 570]
3. 3 [Option ID = 571]
4. 4 [Option ID = 572]

9) एक शिक्षिका पहले अपने शिक्षार्थियों को काल के नियम स्पष्ट करती है, फिर उसके बाद उन्हें वर्तमान काल, भूतकाल, भविष्यत काल पर आधारित वाक्य बनाने के लिए कहती है । वे ________ का अनुगमन कर रही है ।

(1) निगमन उपागम

(2) आगमन उपागम

(3) स्थितिपरक उपागम

(4) संरचनात्मक उपागम

[Question ID = 144][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q114]

1. 1 [Option ID = 573]
2. 2 [Option ID = 574]
3. 3 [Option ID = 575]
4. 4 [Option ID = 576]

10) भाषा समृद्ध परिवेश एक ऐसे परिवेश की ओर संकेत करता है जो बच्चे को ________ के अवसर उपलब्ध कराता है।

(1) देखने, ध्यान देने और भाषा का प्रयोग करने

(2) भाषा-ह्रास से उबरने

(3) उन वाक्यों का निर्माण करने के जो उसने पहले कभी नहीं सुने

(4) कक्षा-कक्ष से परे जाकर सीखने

[Question ID = 145][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q115]

1. 1 [Option ID = 577]
2. 2 [Option ID = 578]
3. 3 [Option ID = 579]
4. 4 [Option ID = 580]

11) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य ***नहीं*** है ?

(1) आकलन बच्चे की खूबियों, आवश्यकताओं, रुचियों और प्राथमिकताओं की पहचान करने में मदद करता है।

(2) आकलन बच्चे के निष्पादन की संभावनाओं को बढ़ाता है और मध्यवर्तन के माध्यम से आधारभूत सहयोग प्रदान करता है ।

(3) आकलन शिक्षार्थियों के निष्पादन का कक्षा में परस्पर एक-दूसरे के साथ तुलना करने में मदद करता है ।

(4) आकलन सीखने संबंधी रिक्तियों और सीखने संबंधी कठिनाइयों की शुरुआती पहचान करने में मदद करता है ।

[Question ID = 146][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q116]

1. 1 [Option ID = 581]
2. 2 [Option ID = 582]
3. 3 [Option ID = 583]
4. 4 [Option ID = 584]

12) निम्नलिखित में से कौन-सा संप्रेषणपरक भाषा शिक्षण पद्धति के बारे में सत्य ***नहीं*** है ?

(1) यह शिक्षार्थियों को जीवन की वास्तविक स्थितियों का सामना करने के लिए बढ़ावा देती है।

(2) वर्तनी एवं व्याकरणिक त्रुटियों को कम करने पर केन्द्रित है।

(3) यह शिक्षार्थियों को अर्थपूर्ण एवं प्रामाणिक संप्रेषणपरक क्रियाकलापों के लिए तैयार करती है।

(4) यह लक्ष्य भाषा में अर्थपूर्ण तरीके से संप्रेषण करने हेतु भाषा-प्रयोग पर बल देती है।

[Question ID = 147][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q117]

1. 1 [Option ID = 585]
2. 2 [Option ID = 586]
3. 3 [Option ID = 587]
4. 4 [Option ID = 588]

13) एक शिक्षक शिक्षार्थियों के मौखिक अभिव्यक्ति के विकास के समय उनसे कहते हैं कि हमें बोलते समय कुछ महत्त्वपूर्ण कारक रखने चाहिए। जब हम किसी से बोलते हैं तो हमारे शब्दों के चयन को प्रभावित करने वाले कारक हैं

I. संदर्भ

II. वातावरण

III. वह व्यक्ति जिससे हम बोल रहे हैं

IV. अभिप्रेरणा

(1) I, II एवं III

(2) I, III एवं IV

(3) II, III एवं IV

(4) केवल III और IV

[Question ID = 148][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q118]

1. 1 [Option ID = 589]
2. 2 [Option ID = 590]
3. 3 [Option ID = 591]
4. 4 [Option ID = 592]

14) उपचारात्मक शिक्षण उन शिक्षार्थियों के लिए है जो/जिन्हें

(1) प्रकरण को नहीं समझ सकते अथवा समस्या का सामना करते हैं।

(2) कक्षा में शामिल होने में अनियमित हैं।

(3) सीखने संबंधी अक्षमता है।

(4) लक्ष्य भाषा में निपुण हैं।

[Question ID = 149][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q119]

1. 1 [Option ID = 593]
2. 2 [Option ID = 594]
3. 3 [Option ID = 595]
4. 4 [Option ID = 596]

15) अगर आपकी कक्षा में एक शिक्षार्थी दृष्टि बाधित दिव्यांग है तो भाषा शिक्षक के रूप में आप क्या करेंगे ?

(1) बच्चे का काम करते हुए उसे सहयोग प्रदान करेंगे ।

(2) पाठ्य-वस्तु को सुनने और पढ़ने के लिए ब्रेल-किताब और श्रव्य सहायता उपलब्ध कराएँगे ।

(3) उसकी मदद करने के लिए समवयस्क समूह को अधिकतम अवसर देंगे ।

(4) उसके काम को पूरा करने के लिए उसके माता-पिता की ज़िम्मेदारी निर्धारित की जाएगी ।

[Question ID = 150][Question Description = CTET_P1_PART_4_L1_SET_103_HINDI_Q120]

1. 1 [Option ID = 597]
2. 2 [Option ID = 598]
3. 3 [Option ID = 599]
4. 4 [Option ID = 600]

Topic:- Punjabi_Q121-128_L2_P1_CTET

1) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੂਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ਼੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵੁਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪੈਰੇ ਅਨੁਸਾਰ ਰਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਂਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਿਸ ਤੱਤ ਦੀ ਅਹਿਮੀਅਤ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਰਚਨਾਵਾਂ ਬਣਾਇਆ ਹੈ ।

(1) ਮਿਥ

(2) ਕਲਪਨਾ

(3) ਯਥਾਰਥ

(4) ਹਕੀਕਤ

[Question ID = 961][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q121]

1. 1 [Option ID = 3841]
2. 2 [Option ID = 3842]
3. 3 [Option ID = 3843]
4. 4 [Option ID = 3844]

2) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੂਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੰਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖ਼ਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਕਿਹੜਾ ਚਿੰਤਕ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ?

(1) ਪਲੈਟੋ

(2) ਅਰਸਤੂ

(3) ਤੁਲਸੀ

(4) ਹੋਮਰ

[Question ID = 962][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q122]

1. 1 [Option ID = 3845]
2. 2 [Option ID = 3846]

3. 3 [Option ID = 3847]
4. 4 [Option ID = 3848]

3) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵੁਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਨ੍ਹਾਂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜ਼ੋਰੀ ਕਿਹਾ ਹੈ ?

(1) ਦਾਂਤੇ ਅਤੇ ਸਪੈਂਸਰ

(2) ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਵੇਟ

(3) ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ

(4) ਸਿਡਨੀ ਅਤੇ ਪੂਟਨ

[Question ID = 963][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q123]

1. 1 [Option ID = 3849]
2. 2 [Option ID = 3850]
3. 3 [Option ID = 3851]
4. 4 [Option ID = 3852]

4) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੁਵਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਕਿਸ ਤੋਂ ਸ਼ੁਰੂ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ?

(1) ਵਾਰਿਸਸ਼ਾਹ

(2) ਦਮੋਦਰ

(3) ਫ਼ਜਲਸ਼ਾਹ

(4) ਕਾਦਰਯਾਰ

[Question ID = 964][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q124]

1. 1 [Option ID = 3853]
2. 2 [Option ID = 3854]

3. 3 [Option ID = 3855]
4. 4 [Option ID = 3856]

5) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਓ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ। ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ। ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ। ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ। ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ। ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ। ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ। ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ। ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ। ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ। ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਫ਼੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ। ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ। ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖ਼ਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ। ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਬਨ, ਤਿਰੂਵਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ। ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ। ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ। ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ।

ਉਹ ਕਿਹੜਾ ਸ਼ਾਇਰ ਹੈ ਜਿਸਨੇ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਤਿਆਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਆਦਿ ਦੇ ਨਿਵਾਸ ਅਸਥਾਨਾਂ ਦਾ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਲੱਗਿਆਂ ਕਾਲਪਨਿਕਤਾ ਦਾ ਸਹਾਰਾ ਲਿਆ ?

(1) ਦਮੋਦਰ

(2) ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ

(3) ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ਼

(4) ਤਿਰੂਵਲਵਰ

[Question ID = 965][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q125]

1. 1 [Option ID = 3857]
2. 2 [Option ID = 3858]
3. 3 [Option ID = 3859]
4. 4 [Option ID = 3860]

6) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੇਂਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

'ਅਨੰਤ' ਦਾ ਸ਼ਾਬਦਿਕ ਅਰਥ ਹੈ :

(1) ਅਨੁਗਮਨ ਕਰਨ ਵਾਲਾ

(2) ਕਰਮਸ਼ੀਲ

(3) ਅੰਤ ਵਿਚ ਆਉਣ ਵਾਲਾ

(4) ਅੰਤਹੀਣ

[Question ID = 966][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q126]

1. 1 [Option ID = 3861]
2. 2 [Option ID = 3862]

3. 3 [Option ID = 3863]
4. 4 [Option ID = 3864]

7) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸ਼ਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ਼੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖ਼ਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵੁਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

'ਸੂਖ਼ਮ' ਤੋਂ ਭਾਵ ਹੈ :

(1) ਸਥੂਲ

(2) ਮਹੀਨ

(3) ਦ੍ਰਿਸ਼ਟਮਾਨ

(4) ਭਾਰੀ-ਭਰਕਮ

[Question ID = 967][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q127]

1. 1 [Option ID = 3865]
2. 2 [Option ID = 3866]
3. 3 [Option ID = 3867]
4. 4 [Option ID = 3868]

8) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਭਾਰਤੀ ਦਰਸ਼ਨ ਪੱਧਤੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸੇਸ਼ ਥਾਂ ਰਹੀ ਹੈ । ਸੰਸਕ੍ਰਿਤ ਦੇ ਮਹਾਕਾਵਿ ਰਾਮਾਇਣ ਅਤੇ ਮਹਾਭਾਰਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਨੇ ਇਨ੍ਹਾਂ ਮਹਾਕਵੀਆਂ ਦੀਆਂ ਰਚਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਸ੍ਰੇਸ਼ਠ ਬਣਾ ਦਿੱਤਾ । ਵਿਚਾਰਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਕੁਠਾਲੀ ਵਿਚ ਢਾਲ ਕੇ ਸਨਾਤਨੀ ਸਾਹਿੱਤਕਾਰਾਂ ਨੇ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਉਤਸੁਕਤਾ ਨੂੰ ਹੋਰ ਵੀ ਤੀਬਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਪਲੇਟੋ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਘਟੀਆ ਆਤਮਾ ਦੀ ਉਪਜ ਸਮਝਦਾ ਸੀ ਪਰੰਤੂ ਆਪਣੀ ਰਚਨਾ 'ਡਾਇਲਾਗ' (dialogue), ਟਿਮਿਅਸ (Timaeus) ਵਿਚ ਉਹ ਇਸ ਨੂੰ ਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਤੋਂ ਅੱਗੇ ਰਹੱਸਵਾਦੀ ਦ੍ਰਿਸ਼ਾਂ ਅਤੇ ਅਨੁਭਵਾਂ ਨੂੰ ਹਾਸਲ ਕਰਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਦਾ ਹੈ । ਅਰਸਤੂ ਨੇ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਵਿਚਾਰਾਂ ਦੀ ਨੀਹ ਅਤੇ ਉੱਚਤਮ ਸ਼ਕਤੀ ਆਖਿਆ ਹੈ । ਮੱਧਕਾਲੀਨ ਯੂਰਪੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੁਚੀ ਵਰਜਿਲ ਅਤੇ ਦਾਂਤੇ ਵਰਗੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀਆਂ ਵਿਚ ਅਤਿ ਸਕਤੀਸ਼ਾਲੀ ਸੀ । ਪਰੰਤੂ ਪੁਨਰਜਾਗ੍ਰਤੀਕਾਲ ਵਿਚ ਨਿਰੀ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਭੰਡਿਆ ਗਿਆ । ਟਾਸੋ, ਸਿਡਨੀ, ਪੁਟਨ, ਹੈਮ ਅਤੇ ਬੇਕਨ ਦੇ ਖ਼ਿਆਲਾਂ ਦੀ ਉਡਾਰੀ ਨੂੰ ਮਨੁੱਖੀ ਮਨ ਦੀ ਕਮਜੋਰੀ ਦਾ ਨਾਉਂ ਦਿੱਤਾ । ਇਹ ਕਾਲ ਗਿਆਨ, ਵਿਗਿਆਨ ਅਤੇ ਤਰਕ ਦਾ ਕਾਲ ਸੀ ਅਤੇ ਡਾਕਾਰਟ, ਗੈਮਿੰਡੀ, ਹੋਬਜ ਅਤੇ ਕੌਲੀ ਨੇ ਵਿਚਾਰਵਾਨਾਂ ਨੂੰ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰਹਿਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਆ । ਅਠਾਰ੍ਹਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਵਿਚ, ਭਾਵੇਂ ਇਹ ਸਦੀ ਵੀ ਬਾਹਰਮੁਖੀ ਤਰਕ ਦੀ ਸਦੀ ਮੰਨੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ । ਡਰਾਇਡਨ, ਐਡੀਸਨ ਆਦਿ ਵਿਦਵਾਨਾ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦੀ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਥਾਂ ਦਾ ਜਿਕਰ ਕੀਤਾ ਹੈ । ਉਨ੍ਹੀਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦਾ ਰੁਮਾਂਟਿਕ ਕਾਲ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਕਾਲ ਆਖਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਫ੍ਰਾਂਸ ਵਿਚ ਜਾਂ ਪਾਲ ਰਿਸ਼ਟੇਵ, ਜਰਮਨੀ ਵਿਚ ਮਿਲਰ ਅਤੇ ਗੈਟੇ, ਇੰਗਲੈਂਡ ਵਿਚ ਬਲੇਕ, ਕੋਲਰਿਜ, ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਅਤੇ ਸ਼ੈਲੀ, ਅਮਰੀਕਾ ਵਿਚ ਐਮਰਸਨ ਅਤੇ ਥੋਰੋ ਆਦਿ ਕਵੀਆਂ ਨੇ ਕਵਿਤਾ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਹੀ ਸਰਵ-ਉੱਚ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਕੋਲਰਿਜ ਨੇ ਤਾਂ ਕਲਪਨਾ ਨੂੰ ਸਜੀਵ ਸ਼ਕਤੀ ਅਤੇ ਸਮੱਸਤ ਮਾਨਵ ਗਿਆਨ ਦਾ ਸਾਧਨ ਮੰਨਿਆ ਹੈ । ਉਸ ਅਨੁਸਾਰ ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ਜਿਹੜਾ ਮਨੁੱਖ ਦੇ ਸੀਮਿਤ ਮਨ ਵਿਚ ਲਗਾਤਾਰ ਪੈਦਾ ਹੋ ਕੇ ਉਸ ਨੂੰ ਅਨੰਤ ਦਾ ਅੰਗ ਹੋਣ ਦੀ ਯਾਦ ਦਿਵਾਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਸ ਵਿਚਾਰ ਦੀ ਵਰਡਜ਼ਵਰਥ ਨੇ ਪੁਸ਼ਟੀ ਕੀਤੀ; ਵਾਸਤਵ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਮਾਨਵ ਮਨ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਸਾਥਣ ਹੈ ਜਿਹੜੀ ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਲਾ ਦੇ ਸੂਖ਼ਮ ਸਾਧਨਾਂ ਰਾਹੀਂ ਫੁੱਟ ਪੈਂਦੀ ਹੈ । ਦੁਨੀਆ ਦੇ ਮਹਾਨ ਕਵੀ ਬਾਲਮੀਕ, ਬਿਆਸ, ਹੋਮਰ, ਵਰਜਿਲ, ਦਾਂਤੇ, ਸਪੈਂਸਰ, ਮਿਲਟਨ, ਗੈਟੇ, ਤੁਲਸੀ, ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ, ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਕਾਂਬਨ, ਤਿਰੂਵਲਵਰ ਆਦਿ ਸਾਰੇ ਹੀ ਕਲਪਨਾ ਦੇ ਸੁਆਮੀ ਸਨ । ਪੰਜਾਬੀ ਕਿੱਸਾਕਾਰੀ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਅੰਸ਼ ਦਮੋਦਰ ਤੋਂ ਹੀ ਸ਼ੁਰੂ ਹੋ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ਜਦ ਉਹ ਪੰਜ ਪੀਰ ਕਿੱਸੇ ਦੇ ਆਰੰਭ ਵਿਚ ਲੈ ਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਇਮਾਮ ਬਖ਼ਸ ਨੇ ਸ਼ਾਹ ਬਹਿਰਾਮ ਵਿਚ ਜਿੰਨਾਂ, ਦੇਵਾਂ ਅਤੇ ਪਰੀਆਂ ਦੇ ਨਿਵਾਸ-ਸਥਾਨਾਂ ਅਤੇ ਮਹਿਲਾਂ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਖਿੱਚਣ ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਤੋਂ ਕੰਮ ਲਿਆ ਹੈ । ਆਧੁਨਿਕ ਪੰਜਾਬੀ ਸਾਹਿੱਤ ਵਿਚ ਭਾਈ ਵੀਰ ਸਿੰਘ ਨੇ 'ਰਾਣਾ ਸੂਰਤ ਸਿੰਘ' ਵਿਚ ਕਲਪਨਾ ਦਾ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤਾ ਹੈ ।

'ਕਲਪਨਾ ਅਨੰਤ ਬ੍ਰਹਮ ਦੀ ਸਦੀਵੀ ਰਚਨਾ ਦਾ ਸੰਗੀਤ ਹੈ ।' ਇਸ ਵਾਕ ਵਿਚ ਆਏ ਸ਼ਬਦਾਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਨਾਂਵ ਸ੍ਰੇਣੀ ਦਾ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

(1) ਕਲਪਨਾ

(2) ਰਚਨਾ

(3) ਸੰਗੀਤ

(4) ਅਨੰਤ

[Question ID = 968][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q128]

1. 1 [Option ID = 3869]
2. 2 [Option ID = 3870]
3. 3 [Option ID = 3871]
4. 4 [Option ID = 3872]

Topic:- Punjabi_Q129-135_L2_P1_CTET

1) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਗੋਰਖਨਾਥ ਕੋਲੋਂ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਸਨੇ ਜੋਗ ਲਿਆ ?

(1) ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ

(2) ਮਛੰਦਰ ਨਾਥ

(3) ਚਰਪਟ ਨਾਥ

(4) ਔਘੜ ਨਾਥ

[Question ID = 969][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q129]

1. 1 [Option ID = 3873]
2. 2 [Option ID = 3874]
3. 3 [Option ID = 3875]
4. 4 [Option ID = 3876]

2) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਪੈਰ੍ਹੇ ਅਨੁਸਾਰ ਦੱਸੋ ਕਿ ਕੰਨ ਪੜਾਉਣ ਲਈ ਕਿਹੜਾ ਦਿਨ ਸ਼ੁੱਭ ਮੰਨਿਆਂ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

(1) ਵਿਸਾਖੀ

(2) ਪੋਹ ਦੀ ਦਸਵੀਂ

(3) ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ

(4) ਇਕਾਦਸ਼ੀ

[Question ID = 970][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q130]

1. 1 [Option ID = 3877]
2. 2 [Option ID = 3878]
3. 3 [Option ID = 3879]
4. 4 [Option ID = 3880]

3) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸ਼ੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਜੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਕੀ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ?

(1) ਕੰਨ-ਪਾਟੇ

(2) ਔਖੜ

(3) ਬਹਿਸ਼ਤੀ

(4) ਤੁੰਗਲ

[Question ID = 971][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q131]

1. 1 [Option ID = 3881]
2. 2 [Option ID = 3882]
3. 3 [Option ID = 3883]
4. 4 [Option ID = 3884]

4) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸ਼ੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਦੀ ਜੁਗਤ ਕਿਉਂ ਵਿਉਂਤੀ ਗਈ ?

(1) ਅਯੋਗ ਮਨੁੱਖਾਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮਤ ਧਾਰਨ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ

(2) ਨਵਾਂ ਪੰਥ ਚਲਾਉਣ ਲਈ

(3) ਮਨ ਨੂੰ ਕਾਬੂ ਕਰਨ ਲਈ

(4) ਦੁਖ ਸਹਿਣ ਦੀ ਸ਼ਕਤੀ ਨੂੰ ਪਰਖਣ ਲਈ

[Question ID = 972][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q132]

1. 1 [Option ID = 3885]
2. 2 [Option ID = 3886]
3. 3 [Option ID = 3887]
4. 4 [Option ID = 3888]

5) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸ਼ੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਈਆਂ ਹੋਣ ਦੇ ਚਿੱਤਰ ਕਿਥੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ?

(1) ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਅਤੇ ਉੱਤਰ ਪੂਰਬੀ ਭਾਰਤ ਦੀ ਗੁਫਾਵਾਂ ਵਿਚ

(2) ਉੱਤਰ ਪੂਰਬੀ ਭਾਰਤ ਅਤੇ ਮੱਧ ਏਸ਼ੀਆ ਦੀਆਂ ਗੁਫਾਵਾਂ ਵਿਚ

(3) ਅਲੋਰਾ ਅਤੇ ਮੱਧ ਏਸ਼ੀਆ ਦੀਆਂ ਗੁਫਾਵਾਂ ਵਿਚ

(4) ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਅਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫਾਵਾਂ ਵਿਚ

[Question ID = 973][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q133]

1. 1 [Option ID = 3889]
2. 2 [Option ID = 3890]
3. 3 [Option ID = 3891]
4. 4 [Option ID = 3892]

6) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ। ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ। ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ। ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸ਼ੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ। ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ। ਬ੍ਰਿਗਜ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ। ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ। ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ। ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ। ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ। ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ। ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ। ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ। ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ। ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ।

'ਯੋਗ ਧਾਰਨ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ।' ਇਸ ਵਾਕ ਵਿਚ ਬਹੁਵਚਨ ਇਸਤਰੀ ਲਿੰਗ ਆਮ ਨਾਂਵ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰੋ।

(1) ਮੁੰਦਰਾਂ

(2) ਯੋਗ

(3) ਧਾਰਨ

(4) ਪਾਉਣੀਆਂ

[Question ID = 974][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q134]

1. 1 [Option ID = 3893]
2. 2 [Option ID = 3894]
3. 3 [Option ID = 3895]
4. 4 [Option ID = 3896]

7) ***ਨਿਰਦੇਸ਼ :*** *ਹੇਠ ਲਿਖੇ ਪੈਰੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹ ਕੇ ਦਿੱਤੇ ਗਏ ਪ੍ਰਸ਼ਨਾਂ ਦੇ ਉੱਤਰ ਢੁੱਕਵੇਂ ਵਿਕਲਪਾਂ ਨਾਲ ਦਿਉ ।*

ਕੰਨ ਪਾਟੇ ਯੋਗੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਗੋਰਖ ਪੰਥੀ ਯੋਗੀਆਂ ਨੂੰ ਆਖਦੇ ਹਨ ਜੋ ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਪੜਵਾ ਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ, ਲਾਖ, ਧਾਤ, ਸਿੰਗ, ਕੱਚ ਜਾਂ ਅਜਿਹੇ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਪਦਾਰਥ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ, ਤੁੰਗਲ ਜਾਂ ਕੁੰਡਲ ਪਾ ਲੈਂਦੇ ਹਨ । ਗੋਰਖ-ਪੰਥੀਆਂ ਵਿਚ ਇਹ ਰਵਾਇਤ ਪ੍ਰਚੱਲਿਤ ਹੈ ਕਿ ਜਦੋਂ ਭਰਥਰੀ ਹਰੀ ਨੇ ਗੋਰਖ ਤੋਂ ਯੋਗ ਲਿਆ ਸੀ ਤਾਂ ਗੋਰਖ ਨੇ ਪਹਿਲਾਂ ਭਰਥਰੀ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਛੇਕ ਕੀਤੇ ਤੇ ਮਗਰੋਂ ਇਨ੍ਹਾਂ ਛੇਕਾਂ ਵਿਚ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾ ਦਿੱਤੀਆਂ । ਹੁਣ ਵੀ ਕਈ ਯੋਗੀ ਮਿੱਟੀ ਦੀਆਂ ਮੁੰਦਰਾਂ ਹੀ ਪਾਉਂਦੇ ਹਨ । ਕੰਨ ਚਿਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬਸੰਤ ਪੰਚਮੀ ਜਾਂ ਅਜਿਹਾ ਹੀ ਕੋਈ ਹੋਰ ਸ਼ੁਭ ਦਿਨ ਮਿਥ ਲਿਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ । ਯੋਗ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਵਾਲੀਆਂ ਔਰਤਾਂ ਨੂੰ ਵੀ ਇਹੀ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪਾਉਣੀਆਂ ਪੈਂਦੀਆਂ ਹਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਗ੍ਰਿਹਸਥੀ ਹੋਣ ਜਾਂ ਗ੍ਰਿਹਸਥ ਤਜ ਚੁੱਕੀਆਂ ਹੋਣ ।

ਕੰਨ ਪੜਵਾ ਕੇ ਮੁੰਦਰਾਂ ਪੁਆਉਣ ਕਰਕੇ ਹੀ ਇਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ 'ਕੰਨ ਪਾਟੇ' ਆਖਿਆ ਜਾਣ ਲਗ ਪਿਆ । ਬ੍ਰਿਗਜ ਅਨੁਸਾਰ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਯੋਗੀ ਔਘੜ ਹੁੰਦਾ ਹੈ । ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਔਘੜ ਸਨ ਪਰ ਮਛੰਦਰ ਤੇ ਗੋਰਖ ਕੰਨ-ਪਾਟੇ ਸਨ । ਆਖਦੇ ਹਨ ਕਿ ਕੰਨ ਚੀਰਨ ਜਾਂ ਪਾੜਨ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਇਸ ਕਰਕੇ ਪਿਆ ਕਿ ਗੋਰਖ ਨਾਥ ਨੇ ਆਪਣੇ ਪੰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗੀਆਂ ਦੇ ਬਾਕੀ ਫਿਰਕਿਆਂ ਤੋਂ ਵਖਰਾਉਣਾ ਸੀ । ਕਈ ਜਲੰਧਰ ਨਾਥ ਨੂੰ ਕੰਨ-ਪਾਟਿਆਂ ਦਾ ਗੁਰੂ ਤੇ ਇਸ ਮੱਤ ਦਾ ਬਾਨੀ ਮੰਨਦੇ ਹਨ । ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ, ਕਿ ਆਪ ਨੇ ਗੋਪੀਚੰਦ ਦੀ ਸਲਾਹ ਨਾਲ ਇਹ ਮੱਤ ਤੋਰਿਆ । ਇਕ ਹੋਰ ਵਿਚਾਰ ਇਹ ਵੀ ਹੈ ਕਿ ਅਣਅਧਿਆਕਾਰੀਆਂ ਨੂੰ ਯੋਗ ਮੱਤ ਧਾਰਣ ਕਰਨ ਤੋਂ ਵਰਜਣ ਲਈ ਕੰਨ ਪਾੜਨ ਦੀ ਵਿਉਂਤ ਸੋਚੀ ਗਈ । ਕੰਨਾਂ ਨੂੰ ਚੀਰਨ ਨਾਲ ਪੀੜ ਤਾਂ ਹੁੰਦੀ ਹੈ । ਪਰ ਹਠ-ਸਾਧਨਾ ਵਿਚ ਕੰਨ ਪੜਵਾਉਣ ਨੂੰ ਪਹਿਲੀ ਖ਼ਾਸ ਸਿੱਖਿਆ ਜਾਂ ਪਹਿਲਾ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਅਮਲ ਮੰਨਿਆ ਗਿਆ ।

ਕੰਨ ਵਿੰਨ੍ਹ ਕੇ ਕੁੰਡਲ ਜਾਂ ਤੁੰਗਲ ਪਾਉਣ ਦਾ ਰਿਵਾਜ ਢੇਰ ਪੁਰਾਣਾ ਹੈ । ਐਲੀਫੈਂਟਾ ਤੇ ਐਲੋਰਾ ਦੀਆਂ ਗੁਫ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਕਿੰਨੇ ਹੀ ਅਜਿਹੇ ਚਿੱਤਰ ਅਜਿਹੇ ਲੋਕਾਂ ਦੇ ਮਿਲਦੇ ਹਨ ਜਿਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਕੰਨਾਂ ਵਿਚ ਕੁੰਡਲ ਪਾਏ ਹੋਏ ਹਨ । ਇਹ ਚਿੱਤਰ ਅੱਠਵੀਂ ਸਦੀ ਈ. ਦੇ ਮੰਨੇ ਜਾਂਦੇ ਹਨ ।

ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਨਾਂਵ ਸ਼੍ਰੇਣੀ ਦਾ ਸ਼ਬਦ ਨਹੀਂ ਹੈ ?

(1) ਗੋਪੀਚੰਦ

(2) ਕੰਨ

(3) ਖ਼ਾਸ

(4) ਬ੍ਰਿਗਜ਼

[Question ID = 975][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q135]

1. 1 [Option ID = 3897]
2. 2 [Option ID = 3898]
3. 3 [Option ID = 3899]
4. 4 [Option ID = 3900]

Topic:- Punjabi_Q136-150_L2_P1_CTET

1) ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ਾ ਜਮਾਤ ਉਹ ਜਮਾਤ ਹੁੰਦੀ ਹੈ, ਜਿਸ ਵਿੱਚ –

(1) ਸਿਖਿਆਰਥੀ ਪਹਿਲੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਇੱਕ ਵਿਭਿੰਨਤਾ ਨੂੰ ਬੋਲਦੇ ਹਨ ।

(2) ਅਧਿਆਪਕ ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਨੂੰ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ।

(3) ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਬਹੁ-ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿੱਚ ਪੜ੍ਹਾਇਆ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(4) ਹਰੇਕ ਸਿਖਿਆਰਥੀ ਦੋ ਤੋਂ ਵੱਧ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਜਾਣਦਾ ਹੈ ।

[Question ID = 976][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q136]

1. 1 [Option ID = 3901]
2. 2 [Option ID = 3902]
3. 3 [Option ID = 3903]
4. 4 [Option ID = 3904]

2) ਸਿਖਿਆਰਥੀ ਇਕ ਵਿਆਕਰਨਕ ਸੰਕਲਪ ਨੂੰ ਹੌਲੀ-ਹੌਲੀ ਅਤੇ ਦਰਸਾਉਂਦਿਆਂ ਹੋਇਆ ਸਿਖਦੇ ਹਨ । ਉਹ ਇਕੋ ਵਾਰੀ ਸਾਰੇ ਵਿਆਕਰਨ ਨੇਮਾਂ ਉੱਤੇ ਨਿਪੁਨਤਾ ਹਾਸਿਲ ਕਰਨ ਦੀ ਕੋਸ਼ਿਸ ਕਰਨ ਨਾਲੋਂ ਸੰਕਲਪ ਉੱਤੇ ਸਮਾਂ ਲਗਾਉਣ ਉੱਪਰ ਬਲ ਦਿੰਦੇ ਹਨ । ਇਸ ਸਿੱਖਿਆ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਂਦਾ ਹੈ ।

(1) ਸਥਿਤਕ ਸਿਖਿਆ (Situational learning)

(2) ਸਪਾਇਰਲ ਸਿਖਿਆ

(3) ਸੰਰਚਨਾਤਮਕ ਸਿਖਿਆ

(4) ਸਥਾਨਕ ਸਿਖਿਆ

[Question ID = 977][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q137]

1. 1 [Option ID = 3905]
2. 2 [Option ID = 3906]
3. 3 [Option ID = 3907]
4. 4 [Option ID = 3908]

3) ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਪਾਠਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਅਤੇ ਉਸ ਵਿਚੋਂ ਜਾਣਕਾਰੀ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨ ਦੇ ਨਾਲੇ-ਨਾਲ ਪਾਠਾਂ ਨੂੰ ਵਿਆਖਿਆਉਣ ਦੀਆਂ ਯੋਗਤਾਵਾਂ ਨੂੰ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇਗਾ :

(1) ਪੜ੍ਹਨ ਵਿਚ ਰਵਾਨੀ

(2) ਡੀਕੋਡਿੰਗ

(3) ਡਿਕਟੇਸ਼ਨ

(4) ਪੈਰ੍ਹੇ ਨੂੰ ਪੜ੍ਹਨਾ

[Question ID = 978][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q138]

1. 1 [Option ID = 3909]
2. 2 [Option ID = 3910]
3. 3 [Option ID = 3911]
4. 4 [Option ID = 3912]

4) ਇਕ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਕਾਰ ਜੋ ਇਕੋ ਸ਼ਬਦ ਨੂੰ ਬਾਰ-ਬਾਰ ਦਹੁਰਾਉਣ ਰਾਹੀਂ ਬੋਲ ਦੀ ਰਵਾਨੀ ਉੱਤੇ ਦੁਸ਼ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ, ਹੈ ।

(1) ਧੁਨੀਮ

(2) ਰੁਪੀਮ

(3) ਡਾਇਸਪ੍ਰੈਕਸ਼ਿਆ (Dyspraxia)

(4) ਥਥਲਾਉਣਾ

[Question ID = 979][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q139]
1. 1 [Option ID = 3913]
2. 2 [Option ID = 3914]
3. 3 [Option ID = 3915]
4. 4 [Option ID = 3916]

5) ਇਹ ਸੁਚੇਤਤਾ ਕਿ ਇਕ ਸ਼ਬਦ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਧੁਨੀਆਂ ਨਾਲ ਬਣਦਾ ਹੈ ਅਤੇ ਜਿਸਨੂੰ ਕਿ ਵਿਅਕਤੀਗਤ ਧੁਨੀ ਅਤੇ ਧੁਨੀਮ ਦੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਵੰਡਿਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ, ਉਸਨੂੰ ਕਹਿੰਦੇ ਹਨ :

(1) ਅੱਖਰ ਸੁਚੇਤਤਾ

(2) ਸ਼ਬਦ ਸੁਚੇਤਤਾ

(3) ਧੁਨੀਆਤਮਕ ਸੁਚੇਤਤਾ

(4) ਵਾਕ ਸੁਚੇਤਤਾ

[Question ID = 980][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q140]
1. 1 [Option ID = 3917]
2. 2 [Option ID = 3918]
3. 3 [Option ID = 3919]
4. 4 [Option ID = 3920]

6) ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਗਹਿਨ ਪੜ੍ਹਨ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ ?

(1) ਵਿਦਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੇ ਆਪਣੇ ਮਨੋਰੰਜਨ ਲਈ ਰਵਾਨੀ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹਨ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਦੇਣੀ

(2) ਇਹ ਇਕ ਵਧੀਕ ਪੜ੍ਹਤ ਹੈ ਜੋ ਲਿਖਿਤ-ਸਮਗ੍ਰੀ ਦੀ ਡੀ-ਕੋਡਿੰਗ ਨਾਲ ਸੰਬੰਧਿਤ ਹੈ ।

(3) ਪੜ੍ਹਤ ਦਾ ਮਕਸਦ ਪੜ੍ਹੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਪਾਠ ਦੇ ਸ਼ਾਬਦਿਕ ਅਰਥ ਨੂੰ ਸਮਝਣਾ ਹੈ ।

(4) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਉਸ ਸਮਗ੍ਰੀ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰਨ ਲਈ ਸੁਤੰਤਰ ਹਨ ਜਿਸਨੂੰ ਉਹ ਪੜ੍ਹਨਾ ਚਾਹੁੰਦੇ ਹਨ ।

[Question ID = 981][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q141]
1. 1 [Option ID = 3921]
2. 2 [Option ID = 3922]
3. 3 [Option ID = 3923]
4. 4 [Option ID = 3924]

7) ਕਿਹੜੀ ਵਿਧੀ ਇਸ ਗੱਲ ਵਿਚ ਯਕੀਨ ਰਖਦੀ ਹੈ ਕਿ ਵਾਕ ਦੀ ਬਣਤਰ ਉਸਦੇ ਵਿਸ਼ੇ ਤੋਂ ਜ਼ਿਆਦਾ ਮਹੱਤਵ ਰਖਦੀ ਹੈ ?

(1) ਸੰਕਾਰਾਤਮਕ ਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਆਪਨ ਵਿਧੀ

(2) ਵਿਆਕਰਨ ਦੇ ਅਨੁਵਾਦ ਦੀ ਵਿਧੀ

(3) ਸੰਰਚਨਾਤਮਕ ਪਹੁੰਚ

(4) ਉਸਾਰੂ ਪਹੁੰਚ

[Question ID = 982][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q142]
1. 1 [Option ID = 3925]
2. 2 [Option ID = 3926]
3. 3 [Option ID = 3927]
4. 4 [Option ID = 3928]

8) *ਕਥਨ (A) :*

ਰੈਮਡੀਅਲ ਅਧਿਆਪਨ ਅਧਿਐਨ ਤੇ ਅਧਿਆਪਨ ਪ੍ਰੋਗਰਾਮ ਦਾ ਇਕ ਅਟੁੱਟ ਹਿੱਸਾ ਹੈ ।

ਕਾਰਨ (R) :

ਰੈਮਡੀਅਲ ਅਧਿਆਪਨ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਨਾ ਸਿਖੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਈ ਮਦਾਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਪੜ੍ਹਾਉਣਾ ਹੈ ।

ਹੇਠ ਦਿੱਤੇ ਕੋਡਾਂ ਵਿਚੋਂ ਸਹੀ ਉੱਤਰ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰੋ ।

(1) (A) ਅਤੇ (R) ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ, ਅਤੇ (R), (A) ਦੀ ਸਹੀ ਵਿਆਖਿਆ ਹੈ ।

(2) (A) ਅਤੇ (R) ਦੋਵੇਂ ਸਹੀ ਹਨ, ਪਰ (R), (A) ਦੀ ਸਹੀ ਵਿਆਖਿਆ ਨਹੀਂ ਹੈ ।

(3) (A) ਸਹੀ ਹੈ, ਪਰ (R) ਗ਼ਲਤ ਹੈ ।

(4) (A) ਗ਼ਲਤ ਹੈ, ਪਰ (R) ਸਹੀ ਹੈ ।

[Question ID = 983][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q143]
1. 1 [Option ID = 3929]
2. 2 [Option ID = 3930]
3. 3 [Option ID = 3931]
4. 4 [Option ID = 3932]

9) ਪਾਠ-ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਕਹਾਣੀਆਂ, ਕਵਿਤਾਵਾਂ, ਨਾਟਕ ਅਤੇ ਲੇਖਕਾਂ ਵਲੋਂ ਰਚੀਆਂ ਹੋਰ ਕਿਰਤਾਂ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ । ਸਾਨੂੰ ਅਜਿਹੀਆਂ ਸਮਗਰੀਆਂ ਦੀ ਚੋਣ ਕਰਨ ਦੀ ਲੋੜ ਹੈ ਕਿਉਂਕਿ ਉਹ ___________ ।

(1) ਪ੍ਰਮਾਣਿਤ ਅਤੇ ਸਹਿਜ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ।

(2) ਪਾਠ-ਪੁਸਤਕਾਂ ਵਿਚ ਇਕ ਮਕਸਦ ਤਹਿਤ ਵਰਤੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

(3) ਉੱਘੇ ਲੇਖਕਾਂ ਰਾਹੀਂ ਲਿਖੀਆਂ ਜਾਂਦੀਆਂ ਹਨ ।

(4) ਅਸਾਨ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਚ ਹੁੰਦੀਆਂ ਹਨ ।

[Question ID = 984][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q144]
1. 1 [Option ID = 3933]
2. 2 [Option ID = 3934]
3. 3 [Option ID = 3935]
4. 4 [Option ID = 3936]

10) ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ ਤਰੀਕਾ ਪ੍ਰਿੰਟ ਅਧਾਰੀ ਸਮ੍ਰਿਧ ਵਾਤਾਵਰਨ ਪੈਦਾ ਕਰਨ ਵਿਚ ਸਹਾਇਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ?

(1) ਜਮਾਤ ਵਿਚ ਵਸਤਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਲਿਖਕੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨਾਵਾਂ ਨੂੰ ਵਸਤਾਂ ਉੱਤੇ ਚਿਪਕਾਉਣਾ ।

(2) ਸਿਖਿਆਰਥੀ ਨੂੰ ਜਮਾਤ ਦੀਆਂ ਵਸਤਾਂ ਦੇ ਨਾਂ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਆਪਣੀ ਭਾਸ਼ਾ ਵਿਚ ਦੱਸਣ ਲਈ ਕਹਿਣਾ ।

(3) ਇਕ ਫ਼ਿਲਮ ਦਿਆਉਣੀ ਜਿਸਦੇ ਹੇਠਾ ਟੈਕਸਟ ਹੋਵੇ ।

(4) ਹਰ ਇਕ ਜਮਾਤ ਵਿਚ ਪ੍ਰਿੰਟਰ ਮੁਹੱਈਆ ਕਰਵਾਉਣਾ ।

[Question ID = 985][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q145]

1. 1 [Option ID = 3937]
2. 2 [Option ID = 3938]
3. 3 [Option ID = 3939]
4. 4 [Option ID = 3940]

11) ਦੂਜੀ ਜਮਾਤ ਦਾ ਇਕ ਅਧਿਆਪਕ, ਕਮਲ, ਆਪਣੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਜਮਾਤ ਵਿਚ 'ਦਿਖਾਓ ਅਤੇ ਦਸੋ' ਗਤੀਵਿਧੀ ਲਈ ਕੁਝ ਵਸਤਾਂ ਲਿਆਉਂਦਾ ਹੈ । ਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਐਨ-ਅਧਿਆਪਨ ਵਿਚ ਇਨ੍ਹਾਂ ਵਸਤਾਂ ਨੂੰ ਕੀ ਕਿਹਾ ਜਾਵੇਗਾ ?

(1) ਦਿਖਾਓ ਅਤੇ ਦਸੋ ਸਮਗ੍ਰੀ

(2) ਰੇਲੀਆ (Realia)

(3) ਭਾਸ਼ਾ ਸਮਗ੍ਰੀ

(4) ਨਿਮੋਨਿਕ (Mnemonics)

[Question ID = 986][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q146]

1. 1 [Option ID = 3941]
2. 2 [Option ID = 3942]
3. 3 [Option ID = 3943]
4. 4 [Option ID = 3944]

12) ਸ਼ੁਰੂਆਤੀ ਪੱਧਰ 'ਤੇ ਇਕ ਅਧਿਆਪਕ ਨੂੰ ਤਸਵੀਰ ਅਧਾਰੀ ਪੁਸਤਕਾਂ ਪੜ੍ਹਾਉਣ 'ਤੇ ਜ਼ੋਰ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ, ਕਿਉਂਕਿ

(1) ਤਸਵੀਰਾਂ ਨੂੰ ਵੇਖਣਾ ਮਨੋਰੰਜਕ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ।

(2) ਇਹ ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਆਜਿਹੀਆਂ ਤਸਵੀਰਾਂ ਬਣਾਉਣ ਲਈ ਪ੍ਰੇਰਿਤ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

(3) ਇਹ ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਦੀਆਂ ਤਸਵੀਰਾਂ ਨੂੰ ਸਮਝਣ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦਾ ਆਂਕਲਨ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮਦਦ ਕਰਦੀ ਹੈ ।

(4) ਇਹ ਸਿਖਿਆਰਥੀਆਂ ਨੂੰ ਵੱਖ-ਵੱਖ ਰੰਗਾਂ ਦੀ ਪਛਾਣ ਕਰਾਉਂਦੀ ਹੈ ।

[Question ID = 987][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q147]

1. 1 [Option ID = 3945]
2. 2 [Option ID = 3946]
3. 3 [Option ID = 3947]
4. 4 [Option ID = 3948]

13) ਇਕ ਅਧਿਆਪਕ ਬੱਚੇ ਦੇ ਕੰਮ ਜਿਵੇਂ ਕਿ ਲਿਖਤੀ ਨਮੂਨਿਆਂ ਚਿੱਤਰਾਂ, ਕਹਾਣੀਆਂ ਆਦਿ ਨੂੰ ਇਸ ਤਰੀਕੇ ਨਾਲ ਇਕ ਫੋਲਡਰ ਵਿਚ ਪਾਉਂਦਾ ਹੈ ਕਿ ਮਗਰੋਂ ਆਂਕਲਨ ਕਰਨ ਲਈ ਉਨਾਂ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਾ ਹੈ । ਇਹ ਹੈ :

(1) ਕਿੱਸਾਕਾਰ ਰਿਕਾਰਡ (Anecdotal record)

(2) ਪੋਰਟਫੋਲੀਓ (Portfolio)

(3) ਨਿਰੀਖਣ ਸੰਦ (Observation tool)

(4) ਪਾਠਕ੍ਰਮ ਮੈਪਿੰਗ (Curriculum mapping)

[Question ID = 988][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q148]

1. 1 [Option ID = 3949]
2. 2 [Option ID = 3950]
3. 3 [Option ID = 3951]
4. 4 [Option ID = 3952]

14) ਇਕ ਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਆਪਕ ਵਲੋਂ ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜੇ ਅਭਿਆਸ ਦੀ ਸਭ ਤੋਂ ਵਧ ਸ਼ਲਾਘਾ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ ?

(1) ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਕਿ ਉਸਦੀ ਜਮਾਤ ਵਿਚ ਸਾਰੇ ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਸਵੀਕਾਰਤ ਅਤੇ ਮੁੱਲਵਾਨ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਨ ਭਾਵੇਂ ਉਹ ਕਿਸੇ ਵੀ ਭਾਸ਼ਾਈ ਸਮਾਜਕ ਅਤੇ ਸਭਿਆਚਾਰਕ ਪਿਛੋਕੜ ਤੋਂ ਹੋਣ ।

(2) ਵਿਦਿਆਰਥੀ ਜਿਹੜੇ ਕਿ ਅੰਗਰੇਜ਼ੀ ਭਾਸ਼ਾ ਬੋਲਣ ਵਿਚ ਆਤਮ-ਵਿਸ਼ਵਾਸੀ ਬੁਲਾਰੇ ਹਨ, ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਜਮਾਤ ਰੋਲ-ਮਾਡਲ ਦੇ ਤੌਰ 'ਤੇ ਸਵੀਕਾਰ ਕਰਨਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ ।

(3) ਸਕੂਲ ਵਿਚ ਉਨ੍ਹਾਂ ਦੀ ਮਾਂ-ਬੋਲੀ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਜਾ ਕਾਰਕ ਬਾਰੇ ਕੁਝ ਸਖ਼ਤ ਨਿਯਮ ਬਣਾਉਣੇ ।

(4) ਇਹ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਉਣਾ ਕਿ ਬੱਚੇ ਖ਼ਾਸ ਕਰਕੇ ਜੋ ਸੁਵਿਧਾ ਰਹਿਤ ਪਿਛੋਕੜ ਤੋਂ ਹਨ ਉਨ੍ਹਾਂ ਨੂੰ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਜਮਾਤ ਵਿਚ ਸਖ਼ਤ ਮਿਹਨਤ ਕਰਨੀ ਹੋਵੇਗੀ ।

[Question ID = 989][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q149]

1. 1 [Option ID = 3953]
2. 2 [Option ID = 3954]
3. 3 [Option ID = 3955]
4. 4 [Option ID = 3956]

15) ਹੇਠ ਲਿਖਿਆਂ ਵਿਚੋਂ ਕਿਹੜਾ 'Bottom up Approach' ਉੱਤੇ ਅਧਾਰਿਤ ਹੈ ?

(1) ਕਵਿਤਾ ਅਤੇ ਕਹਾਣੀਆਂ ਨਾਲ ਇਕ ਭਾਸ਼ਾ ਦੀ ਸਿਖਲਾਈ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਵਰਨਮਾਲਾ ਵਲ ਆਉਣਾ ।

(2) ਧੁਨੀਆਂ ਤੋਂ ਸ਼ਬਦਾਂ, ਅਖਾਣਾਂ, ਵਾਕੰਸ਼ਾਂ ਆਦਿ ਵਲ ਜਾ ਰਹੇ ਸੰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਡੀ-ਕੋਡ ਕਰਨਾ ।

(3) ਸਿਖਿਆਰਥੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦਾ ਅਰਥ ਪਤਾ ਲਗਾਉਣ ਲਈ ਪੂਰਵ ਗਿਆਨ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

(4) ਅਧਿਆਪਕ ਸਮਗ੍ਰ (whole) ਭਾਸ਼ਾਈ ਪਹੁੰਚ 'ਤੇ ਬਲ ਦਿੰਦਾ ਹੈ ।

[Question ID = 990][Question Description = CTET_P1_PART_5_L2_SET_103_PUNJABI_Q150]

1. 1 [Option ID = 3957]
2. 2 [Option ID = 3958]
3. 3 [Option ID = 3959]
4. 4 [Option ID = 3960]